R.P. Gogate College of Arts & Science and R.V. Jogalekar College of Commerce (Autonomous), Ratnagiri

Master of Arts (M.A. Hindi) Programme
Two Year Integrated Programme
Four Semesters
Course Structure

Under Choice Based Credit System (CBCS)
To be implemented from Academic Year- 2023-2024

Name of Programme	**Masters of Arts (M. A. Hindi)**
Level	PG
No of Semesters	04
Year of Implementation	**2023-24**
Programme Specific Outcomes (PSO)	1. स्नातकोत्तर छात्रों को हिन्दी साहित्य विधाओं की प्रसिद्ध, प्रचलित रचनाओं एवं परिवेश की जानकारी प्रदान कराते हुए दार्शनिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, राष्ट्रीय, मानवीय और नवीनतम आधुनिक जीवन-शैली संबंधी मानव मूल्यों का बोध कराना। 2. छात्रों में भाषा और साहित्य रसास्वादन के साथ कलात्मक अभिरुचि, रचनात्मक कौशल को बढ़ावा देते हुए सजग आलोचनात्मक दृष्टि निर्माण के लिए समृद्ध करना तथा चिंतनशील बनाना। 3. छात्रों में हिन्दी भाषिक कौशल्यों का विकास करके उसका प्रत्यक्ष व्यवहार में उपयोग करने में सहायता करना। 4. प्रौद्योगिकी की सहायता से सूचना के निर्माण और प्रसार में सार्थक, प्रभावी ढंग और नैतिक रूप से उपयोग के लिए सक्षम करना। 5. छात्रों में राष्ट्र-निर्माण हेतु नये सामाजिक, राजनीतिक, संस्कृतिक, शैक्षिक, पर्यावरण पोषक विचारों का प्रसार और दायित्व-बोध निर्वहन का विकास करना। 6. छात्रों को व्यावहारिक हिन्दी भाषा दक्षता में प्रवीणता की प्राप्ति से रोज़गार के विविध अवसरों से अवगत कराते हुए व्यावसायिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना। 7. व्यक्तिगत, सामाजिक जीवन को समृद्ध बनाने और समाज को लाभ पहुंचाने, जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए प्रबंधन और नेतृत्व कौशल को अंगीकृत करके वर्तमान चुनौतियों के लिए लोकतांत्रिक मूल्यों, सिद्धांतों और आदर्शों के निर्माण के लिए समृद्ध करना।
Relevance of PSOs to the local, regional, national, and global developmental needs	छात्रों को साहित्य की विभिन्न विधाओं, शैलियों का परिचय कराते हुए उसकी शिल्पगत बनावट के साथ जीवन के क्षेत्र में साहित्य की उपादेयता का दर्शन होगा। छात्र साहित्य के अंतर्गत प्रयुक्त विभिन्न दृष्टियों को उसकी शिल्पगत बनावट के साथ आमजीवन के क्षेत्र उसकी उपादेयता को दर्शाते हुए उसके विभिन्न सरोकारों से अवगत होंगे। उनमें सामाजिक, मानवीय संतुलन-असंतुलन को दर्शाते हुए सकारात्मक पक्षों को बल देना। जिसमे व्यक्तिगत एवं समूहिक नैतिकता को समृद्ध करने की समझ आएगी। राष्ट्र-निर्माण हेतु दायित्व-बोध निर्वहन, रचनात्मक, सजग आलोचनात्मक दृष्टि निर्माण होने में सहायता मिलेगी। वह व्यक्तिगत और सामाजिक व्यवहार के सिद्धांतों का विश्लेषण और मूल्यांकन करके समसामयिक मुद्दों को हल करने के लिए संदर्भों का विस्तार कर सकेगा।

	प्रौद्योगिकी, साहित्य, व्यवहारिक क्षेत्रों में निपुणता एवं कौशल विकास के सहारे आत्मनिर्भर बनने के योग्य बनेगा। वह समस्याओं को परिभाषित करने या परिकल्पना तैयार करने के लिए महत्वपूर्ण मुद्दों, विचारों, घटनाओं और बहसों का अन्वेषण करके राय बनाने, रणनीतियों की पहचान करने, परिणामों का मूल्यांकन करने, निष्कर्ष निकालने या समाधान उपायों को विकसित करने और लागू करने के लिए सामाजिक दायित्व बोध निर्वहन में सक्षम बनेगा।

The performance of the learners shall be evaluated into two parts. The learner's performance shall be assessed by Internal Assessment with 40% marks in the first part and by conducting the Semester End Examinations with 60% marks in the second part. The allocation of marks for the Internal Assessment and Semester End Examinations are as shown below-

Evaluation Pattern

A) Internal Assessment: 40 % (40 Marks)

Method	**Marks**
लेखन कार्य / परियोजना	20
प्रस्तुतीकरण / वस्तुनिष्ठ प्रश्न	10
कक्षा प्रदर्शन / स्वाध्याय	10
Question Paper Pattern for Periodical Class Test/ Online Examination Maximum Marks: 10 Duration: 30 Minutes Match the Column / Fill in the Blanks / Multiple Choice Questions/ True or False / Answer in One or Two Lines (Concept based Questions) (1 Marks each)	

B) Semester End Examination: 60% (60 Marks)
Duration: The examination shall be of 2 hours' duration.

Question No	**Unit**	**Marks**
प्रश्न-1 दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प सहित)	1-4	20
प्रश्न-2 दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प सहित)	1-4	20
प्रश्न-3 टिप्पणियाँ (4 में से 2)	1-4	20

Standard of Passing

The learner to pass a course shall have to obtain a minimum of 40% marks in aggregate for each course where the course consists of Internal Assessment & Semester End Examination. The learner shall obtain minimum of 40% marks (i.e. 16 out of 40) in the Internal Assessment and 40% marks in Semester End Examination (i.e. 24 out of 60) separately, to pass the course and minimum of Letter Grade "P" in the project component, wherever applicable to pass a particular semester. A learner will be said to have passed the course if the learner passes the Internal Assessment & Semester End Examination together.

Performance Grading:

Letter Grades and Grade Points

Semester GPA/ Program CGPA Semester/Program	**% of Marks**	**Alpha-Sign / Letter Grade Result**
9.00-10.00	90.0 -100	0 (Outstanding)
8.00 ≤ 9.00	80.0 ≤ 90.0	A+ (Excellent)
7.00 ≤ 8.00	70.0 ≤ 80.0	A (Very Good)
6.00 ≤ 7.00	60.0 ≤ 70.0	B+ (Good)
5.50 ≤ 6.00	55.0 ≤ 60.0	B (Above Average)
5.00 ≤ 5.50	50.0 ≤ 55.0	C (Average)
4.00 ≤ 5.00	40.0 ≤ 50.0	P (Pass)
Below 4.00	Below 40	F (Fail)
Ab (Absent)	-	Absent

Master of Arts (M., A.) Programme
Under Choice Based Credit System
Course Structure

M.A. I Hindi

(To be implemented from Academic Year- 2023-24)

No. of Courses	Semester I	Credits	No. of Courses	Semester II	Credits
	Major : Mandatory			Major : Mandatory	
PAHIN101	हिंदी साहित्य का इतिहास- I (History of Hindi Literature- I)	4	PAHIN201	हिंदी साहित्य का इतिहास- आधुनिक काल- II (History of Hindi Literature- Modern Age- II)	4
PAHIN102	काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन-I (Poetics and Literary Criticism- I)	4	PAHIN202	काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन- II (Poetics and Literary Criticism- II)	4
PAHIN103	भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा- I (Linguistics and Hindi Language- I)	4	PAHIN203	भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा- II (Linguistics and Hindi Language- II)	4
PAHIN104	मीडिया लेखन-I(Media Writing- I)	2	PAHIN204	मीडिया लेखन- II(Media Writing- II)	2
	Major : Elective			Major : Elective	
PAHIN105	प्राचीन और मध्यकालीन काव्य- I (Ancient and Medieval Poetry- I)	4	PAHIN205	प्राचीन और मध्यकालीन काव्य- II (Ancient and Medieval Poetry- II)	4
PAHIN106	लोक साहित्य- I (Folk Literature- I)		PAHIN206	लोक साहित्य- II (Folk Literature- II)	
PAHIN107	भारतीय साहित्य- I (Indian Literature- I)		PAHIN207	भारतीय साहित्य- II (Indian Literature- II)	
PAHIN108	Research Methodology	4	PAHIN208	On Job Training/ Field Project	4
Total Credits		22	Total Credits		22

SMART Criteria for Course Outcomes:

Specific: Each course outcome is specific, outlining the knowledge and skills students are expected to acquire in relation to the specific topics covered.

Measurable: Each outcome can be measured through assessments, tests, or projects to determine the level of understanding and proficiency achieved by the students.

Achievable: The outcomes are achievable within the duration of the course, considering the number of lectures allocated to each topic.

Relevant: The outcomes are relevant to the subject of financial services and capital market, addressing important concepts, types, and mechanisms involved.

Time-bound: The outcomes are expected to be achieved by the end of the course, providing a clear timeline for assessment and evaluation.

No. of Courses	Semester I	Credits
	Major : Mandatory	
PAHIN101	हिंदी साहित्य का इतिहास- I (History of Hindi Literature- I)	4
PAHIN102	काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन- I (Poetics and Literary Criticism- I)	4
PAHIN103	भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा- I (Linguistics and Hindi Language- I)	4
PAHIN104	मीडिया लेखन- I (Media Writing- I)	2
	Major : Elective (Any One from below)	
PAHIN105	प्राचीन और मध्यकालीन काव्य- I (Ancient and Medieval Poetry- I)	4
PAHIN106	लोक साहित्य- I (Folk Literature- I)	
PAHIN107	भारतीय साहित्य- I (Indian Literature- I)	
PAHIN108	Research Methodology	4
Total Credits		22

Revised Syllabus of Courses of Master of Arts (M.A.) Hindi Programme at Semester I With Effect from the Academic Year 2023-2024

Name of the Course	**हिंदी साहित्य का इतिहास- I (History of Hindi Literature- I)**
Course Code	PAHIN101
Class	M.A. Hindi
Semester	I
No of Credits	04
Nature	Theory, Practical & Project
Type	Major: Mandatory 1
Employability/ Entrepreneurship/ Skill Development	इतिहास लेखन की जानकारी के साथ साहित्य पुनरलेखन में सहायक सिद्ध होगा। सामाजिक जीवन जीते हुए अनेक मुकाम पर कवि एवं साहित्यकारों के अनुभव, विचार, चिंतन अदि के अभ्यास से जीवन में निर्णयक्षमता आयेगी और समस्या को सुलाजा सकेगा।

हिंदी साहित्य का इतिहास-I (History of Hindi Literature- I)

Modules at a Glance

Sr. No.	Modules	No. of Lectures
1	**हिंदी साहित्य का इतिहास**	15
2	**आदिकाल**	15
3	**भक्तिकाल**	15
4	**रीतिकाल**	15
	Total	**60**

Course Outcomes:

1. छात्रों को हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की जानकारी देकर साहित्य इतिहास लेखन परंपरा और पुनरलेखन की समस्याओं से अवगत कराना।
2. हिंदी साहित्य इतिहास का काल विभाजन एवं नामकरण की जानकारी देना।
3. आदिकाल भक्तिकाल और रीतिकालीन प्रमुख प्रतिनिधि कवि और उनकी काव्य विशेषताओं की जानकारी देना।

Curriculum:

इकाई एक
हिंदी साहित्य का इतिहास

- इतिहास दृष्टि एवं साहित्येतिहास लेखन
- हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा एवं पुनर्लेखन की समस्याएँ
- हिंदी साहित्य का इतिहास : काल विभाजन एवं नामकरण

इकाई दो
आदिकाल :

- परिवेश
- सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासो साहित्य
- अमीर खुसरो एवं विद्यापि

इकाई तीन
भक्तिकाल :

- परिवेश
- भक्ति आंदोलन का विकास
- संत काव्य : परंपरा एवं प्रवृत्तियाँ
- सूफ़ी काव्य : परंपरा एवं प्रवृत्तियाँ
- रामभक्ति काव्यधारा : परंपरा एवं प्रवृत्तियाँ
- कृष्णभक्ति काव्यधारा का विकास एवं प्रवृत्तियाँ
- भक्तिकाव्य की प्रासंगिकता

इकाई चार
रीतिकाल :

- परिवेश
- रीतिबद्ध काव्य, रीतिसिद्ध काव्य एवं रीतिमुक्त काव्य की प्रवृत्तियाँ

Sr. No.	Modules / Units
1	**हिंदी साहित्य का इतिहास** (15 Lectures)
	• इतिहास दृष्टि एवं साहित्येतिहास लेखन • हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा एवं पुनर्लेखन की समस्याएँ • हिंदी साहित्य का इतिहास : काल विभाजन एवं नामकरण
2	**आदिकाल** (15 Lectures)
	• परिवेश • सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासो साहित्य • अमीर खुसरो एवं विद्यापति
3	**भक्तिकाल** (15 Lectures)
	• परिवेश • भक्ति आंदोलन का विकास • संत काव्य : परंपरा एवं प्रवृत्तियाँ • सूफ़ी काव्य : परंपरा एवं प्रवृत्तियाँ • रामभक्ति काव्यधारा : परंपरा एवं प्रवृत्तियाँ • कृष्णभक्ति काव्यधारा का विकास एवं प्रवृत्तियाँ • भक्तिकाव्य की प्रासंगिकता
4	**रीतिकाल** (15 Lectures)
	• परिवेश • रीतिबद्ध काव्य, रीतिसिद्ध काव्य एवं रीतिमुक्त काव्य की प्रवृत्तियाँ

Learning Resources recommended: संदर्भ ग्रंथ-सूची

१. हिंदी साहित्य का इतिहास- आ. रामचंद्र शुक्ल -

२. हिंदी साहित्य का इतिहास- संपादक डॉ. नगेंद्र

३. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास- डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त

४. हिंदी साहित्य का इतिहास- डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय

५. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास- डॉ. बच्चन सिंह

६. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ - डॉ. जयकिशन प्रसाद खंडेलवाल

७. हिंदी साहित्य और उसकी प्रवृत्तियाँ - डॉ. गोविंदराम शर्मा

८. दिनकर का कुरुक्षेत्र - डॉ. मोहसिन ख़ान

९. प्रगतिवादी समीक्षक डॉ. रमविलास शर्मा - डॉ. मोहसिन खानसिंह

१०. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास- डॉ. बच्चन सिंह
११. हिंदी साहित्य का सुबोध इतिहास - बाबू गुलाबराय
१२. हिंदी साहित्य की भूमिका - डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
१३. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास- डॉ. रामकुमार
१४. हिंदी साहित्य एक परिचय - डॉ. त्रिभुवन सिंहवर्मा
१५. हिंदी साहित्य और संवेदना का इतिहास- डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
१६. हिंदी रीति साहित्य का इतिहास - डॉ. भगीरथ मिश्र
१७. रीतियुगीन काव्य - डॉ. कृष्णचंद्र वर्मा
१८. रीतिकाव्य की भूमिका - डॉ. नगेंद्र
१९. आधुनिक हिंदी साहित्य का आदिकाल - श्री नारायण चतुर्वेदी
२०. हिंदी साहित्य का प्रवृत्तिपरक इतिहास- डॉ. सभापति मिश्र
२१. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. माधव सोनटक्के
२२. हिंदी साहित्य का अद्यतन इतिहास- डॉ. मोहन अवस्थी
२३. हिंदी साहित्य का सही इतिहास - डॉ. चंद्रभानु सोनवणे / डॉ. सूर्यनारायण रणसुभे
२४. आधुनिक हिंदी कविता का पुनर्पाठ - डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय
२५. आधुनिक हिंदी कविता में काव्य चिंतन - डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय
२६. साहित्य और संस्कृति के सरोकार - डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय
२७. आधुनिक हिंदी साहित्य : वाद, प्रवृत्तियाँ एवं विमर्श - डॉ. दत्तात्रय मुरुमकर
२८. हिंदी साहित्य का आधा इतिहास - डॉ. सुमन राजे
२९. हिंदी साहित्य की नवीन विधाएँ - डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया
३०. हिंदी साहित्य का इतिहास : नए विचार नई दिशाएँ - डॉ. सुरेशकुमार जैन
३१. हिंदी साहित्य का इतिहास- डॉ. उद्धव भंडारे
३२. हिंदी साहित्य का इतिहास- डॉ. सज्जनराम केणी
३३. भक्ति साहित्य में विश्वबंधुत्व की भावना - सं. डॉ. अनिल
३४. भक्ति साहित्य मे परमानंद सागर- डॉ. सुमन सिंह

Teaching plan:

Unit	Title	Expected date of completion	Teaching methods
1	**हिंदी साहित्य का इतिहास**	19/08/2023	व्याख्यान, विश्लेषण, ICT
2	**आदिकाल**	02/09/2023	व्याख्यान, विश्लेषण, ICT
3	**भक्तिकाल**	30/09/2023	व्याख्यान, विश्लेषण, ICT
4	**रीतिकाल**	31/10/2023	व्याख्यान, विश्लेषण, ICT

Evaluation Pattern

A) Internal Assessment: 40 % (40 Marks)

Method	Marks
लेखन कार्य / परियोजना	20
प्रस्तुतीकरण / वस्तुनिष्ठ प्रश्न	10
कक्षा प्रदर्शन / स्वाध्याय	10
Question Paper Pattern for Periodical Class Test/ Online Examination Maximum Marks: 10 Duration: 30 Minutes Match the Column / Fill in the Blanks / Multiple Choice Questions/ True or False / Answer in One or Two Lines (Concept based Questions) (1 Marks each)	

B) Semester End Examination: 60% (60 Marks)
Duration: The examination shall be of 2 hours' duration.

Question No	Unit	Marks
प्रश्न-1 दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प सहित)	1-4	20
प्रश्न-2 दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प सहित)	1-4	20
प्रश्न-3 टिप्पणियाँ (4 में से 2)	1-4	20

Revised Syllabus of Courses of Master of Arts (M.A.) Hindi Programme at Semester I With Effect from the Academic Year 2023-2024

Name of the Course	**काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन- I (Poetics and Literary Criticism- I)**
Course Code	PAHIN102
Class	M.A. Hindi
Semester	I
No of Credits	04
Nature	Theory, Practical & Project
Type	Major: Mandatory 2
Employability/ Entrepreneurship/ Skill Development	साहित्य के विविध रचनाओं का रसपान करने में सक्षम होगा। साहित्य लेखन परीक्षण निरीक्षण रसग्रहण में आसानी होगी। भारतीय एवं पाश्चात्य विचारको के अध्ययन से समीक्षात्मक वृत्ति जागृत होकर समीक्षात्मक दृष्टिकोण विकसित होगा।

काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन- I (Poetics and Literary Criticism- I)

Modules at a Glance

Sr. No.	Modules	No. of Lectures
1	**भारतीय काव्यशास्त्र सिद्धांत**	15
2	**हिंदी आलोचना**	15
3	**पाश्चात्य काव्यशास्त्र सिद्धांत और वाद**	15
4	**विचारक**	15
	Total	**60**

Course Outcomes:

1. छात्रों को काव्य के सिद्धांतों की अवधारणा, परिकल्पना का परिचय कराना।
2. भारतीय काव्यशास्त्र के अंतर्गत रस, अलंकार, रीति सिद्धांत की अवधारणा, उसके साधारणीकरण की जानकारी देना।
3. छात्रों को पाश्चात्य काव्यशास्त्र की अवधारणा, परिकल्पना का परिचय करवाना।
4. प्रमुख पाश्चात्य प्रतिनिधि विद्वानों के सिद्धांतों की जानकारी देना।

Curriculum:

खंड - क (भारतीय काव्यशास्त्र एवं हिंदी आलोचना)

इकाई एक

भारतीय काव्यशास्त्र सिद्धांत

- रस सिद्धांत: रस का स्वरूप, रस के अवयव, रसनिष्पत्ति, साधारणीकरण
- अलंकार सिद्धांत: मूल स्थापनाएँ, अलंकारों का वर्गीकरण
- रीति सिद्धांत: रीति की अवधारणा, काव्यगुण, रीति एवं शैली, रीति सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ

इकाई दो

हिंदी आलोचना

- आचार्य रामचंद्र शुक्ल, आचार्य नंददुलारे वाजपेयी, आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी

खंड - क (पाश्चात्य काव्यशास्त्र सिद्धांत और विचारक)

इकाई तीन

पाश्चात्य काव्यशास्त्र सिद्धांत और वाद:

- अभिजात्यवाद, स्वच्छंदतावाद, मार्क्सवाद

इकाई चार

विचारक

- प्लेटो के काव्य सिद्धांत
- अरस्तू का अनुकरण सिद्धांत, त्रासदी एवं विरेचन सिद्धांत
- लोंजाइनस : उदात्त संबंधी मान्यताएँ

Sr. No.	Modules / Units
1	**भारतीय काव्यशास्त्र सिद्धांत** (15 Lectures)
	• रस सिद्धांत: रस का स्वरूप, रस के अवयव, रसनिष्पत्ति, साधारणीकरण • अलंकार सिद्धांत: मूल स्थापनाएँ, अलंकारों का वर्गीकरण • रीति सिद्धांत: रीति की अवधारणा, काव्यगुण, रीति एवं शैली, रीति सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ
2	**हिंदी आलोचना** (15 Lectures)
	• आचार्य रामचंद्र शुक्ल, आचार्य नंददुलारे वाजपेयी, आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
3	**पाश्चात्य काव्यशास्त्र सिद्धांत और वाद** (15 Lectures)
	• अभिजात्यवाद, स्वच्छंदतावाद, मार्क्सवाद
4	**विचारक** (15 Lectures)
	• प्लेटो के काव्य सिद्धांत • अरस्तू का अनुकरण सिद्धांत, त्रासदी एवं विरेचन सिद्धांत • लोंजाइनस : उदात्त संबंधी मान्यताएँ

Learning Resources recommended: संदर्भ ग्रंथ-सूची

१. हिंदी साहित्य का इतिहास- आ. रामचंद्र शुक्ल -
२. हिंदी साहित्य का इतिहास- संपादक डॉ. नगेंद्र
३. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास- डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
४. हिंदी साहित्य का इतिहास- डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
५. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास- डॉ. बच्चन सिंह
६. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ - डॉ. जयकिशन प्रसाद खंडेलवाल
७. हिंदी साहित्य और उसकी प्रवृत्तियाँ - डॉ. गोविंदराम शर्मा
८. दिनकर का कुरुक्षेत्र - डॉ. मोहसिन ख़ान
९. प्रगतिवादी समीक्षक डॉ. रमविलास शर्मा - डॉ. मोहसिन खानसिंह
१०. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास- डॉ. बच्चन सिंह
११. हिंदी साहित्य का सुबोध इतिहास - बाबू गुलाबराय
१२. हिंदी साहित्य की भूमिका - डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
१३. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास- डॉ. रामकुमार
१४. हिंदी साहित्य एक परिचय - डॉ. त्रिभुवन सिंहवर्मा
१५. हिंदी साहित्य और संवेदना का इतिहास- डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
१६. हिंदी रीति साहित्य का इतिहास - डॉ. भगीरथ मिश्र
१७. रीतियुगीन काव्य - डॉ. कृष्णचंद्र वर्मा
१८. रीतिकाव्य की भूमिका - डॉ. नगेंद्र

१९. आधुनिक हिंदी साहित्य का आदिकाल - श्री नारायण चतुर्वेदी
२०. हिंदी साहित्य का प्रवृत्तिपरक इतिहास- डॉ. सभापति मिश्र
२१. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. माधव सोनटक्के
२२. हिंदी साहित्य का अद्यतन इतिहास- डॉ. मोहन अवस्थी
२३. हिंदी साहित्य का सही इतिहास - डॉ. चंद्रभानु सोनवणे / डॉ. सूर्यनारायण रणसुभे
२४. आधुनिक हिंदी कविता का पुनर्पाठ - डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय
२५. आधुनिक हिंदी कविता में काव्य चिंतन - डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय
२६. साहित्य और संस्कृति के सरोकार - डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय
२७. आधुनिक हिंदी साहित्य : वाद, प्रवृत्तियाँ एवं विमर्श - डॉ. दत्तात्रय मुरुमकर
२८. हिंदी साहित्य का आधा इतिहास - डॉ. सुमन राजे
२९. हिंदी साहित्य की नवीन विधाएँ - डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया
३०. हिंदी साहित्य का इतिहास : नए विचार नई दिशाएँ - डॉ. सुरेशकुमार जैन
३१. हिंदी साहित्य का इतिहास- डॉ. उद्धव भंडारे
३२. हिंदी साहित्य का इतिहास- डॉ. सज्जनराम केणी
३३. भक्ति साहित्य में विश्वबंधुत्व की भावना - सं. डॉ. अनिल
३४. भक्ति साहित्य मे परमानंद सागर- डॉ. सुमन सिंह

Teaching plan:

Unit	Title	Expected date of completion	Teaching methods
1	**भारतीय काव्यशास्त्र सिद्धांत**	19/08/2023	व्याख्यान, विश्लेषण, ICT
2	**हिंदी आलोचना**	02/09/2023	व्याख्यान, विश्लेषण, ICT
3	**पाश्चात्य काव्यशास्त्र सिद्धांत और वाद**	30/09/2023	व्याख्यान, विश्लेषण, ICT
4	**विचारक**	31/10/2023	व्याख्यान, विश्लेषण, ICT

Evaluation Pattern

A) Internal Assessment: 40 % (40 Marks)

Method	Marks
लेखन कार्य / परियोजना	20
प्रस्तुतीकरण / वस्तुनिष्ठ प्रश्न	10
कक्षा प्रदर्शन / स्वाध्याय	10
Question Paper Pattern for Periodical Class Test/ Online Examination Maximum Marks: 10 Duration: 30 Minutes Match the Column / Fill in the Blanks / Multiple Choice Questions/ True or False / Answer in One or Two Lines (Concept based Questions) (1 Marks each)	

B) Semester End Examination: 60% (60 Marks)
Duration: The examination shall be of 2 hours' duration.

Question No	Unit	Marks
प्रश्न-1 दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प सहित)	1-4	20
प्रश्न-2 दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प सहित)	1-4	20
प्रश्न-3 टिप्पणियाँ (4 में से 2)	1-4	20

Revised Syllabus of Courses of Master of Arts (M.A.) Hindi Programme at Semester I With Effect from the Academic Year 2023-2024

Name of the Course	**भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा- I (Linguistics and Hindi Language- I)**
Course Code	PAHIN103
Class	M.A. Hindi
Semester	I
No of Credits	04
Nature	Theory, Practical & Project
Type	Major: Mandatory 3
Employability/ Entrepreneurship/ Skill Development	भाषा और शैली के प्रयोग में सुचिता निर्माण होगी। भाषा संप्रेषण में होने वाली व्याकरण एक गलतियों को समझने में आसानी होगी और भाषिक कौशल विकसित होगा। संपादन के क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे।

भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा- I (Linguistics and Hindi Language- I)

Modules at a Glance

Sr. No.	Modules	No. of Lectures
1	**भाषा और भाषा विज्ञान**	18
2	**स्वन विज्ञान**	18
3	**हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि**	18
4	**हिंदी का वाक्य विन्यास**	06
	Total	**60**

Course Outcomes:

At the end of the Course, the Learner will be able to

1. छात्रों को भाषा के अभिलक्षण, व्यवस्था, व्यवहार, भाषिक प्रकार्य का परिचय करवाना।
2. भाषा विज्ञान का नामकरण और उसकी व्याप्ति, अध्ययन की दिशाएं और प्रकारों से अवगत कराना।
3. स्वन विज्ञान, वाग अवयव, स्वन परिवर्तन के कारण और दिशाएं हिंदी वर्ण व्यवस्था का परिचय करवाना।
4. हिंदी व्याकरण के अंतर्गत वाक्य विन्यास का परिचय करवाना।

Curriculum:

इकाई एक

भाषा और भाषा विज्ञान

- **भाषा:** भाषा की परिभाषा, अभिलक्षण, भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार, भाषा संरचना और भाषिक प्रकार्य
- **भाषा विज्ञान:** भाषा विज्ञान का नामकरण, परिभाषा, स्वरूप और व्याप्ति भाषा विज्ञान का अध्ययन क्षेत्र, अध्ययन की दिशाएँ, भाषा विज्ञान के प्रकार - अनुप्रयुक्त और व्यतिरेकी भाषाविज्ञान

इकाई दो

स्वन विज्ञान

- **स्वन विज्ञान:** परिभाषा, स्वरूप, वाग अवयव और उनके कार्य, स्वनिम की विशेषताएँ, स्वनिम के भेद - खंड्य स्वनिम, खंडयेत्तर स्वनिम, स्वन परिवर्तन की दिशाएँ, स्वन परिवर्तन के कारण, हिंदी स्वरों तथा व्यंजनों का वर्गीकरण

इकाई तीन

हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

- **प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ** - वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उसकी विशेषताएँ
- **मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ** - पालि, प्राकृत, शौरसेनी, अर्धमागधी, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएँ
- **आधुनिक भारतीय भाषाओं का सामान्य परिचय** - मराठी, गुजराती,राजस्थानी, पंजाबी, तेलुगु, कन्नड़, तमिल, मलयालम

इकाई चार

हिंदी का वाक्य विन्यास

- पद, पदक्रम, वाक्य के भेद (अर्थ एवं रचना के आधार पर)

Sr. No.	Modules / Units
1	**भाषा और भाषा विज्ञान** (18 Lectures)
	• **भाषा:** भाषा की परिभाषा, अभिलक्षण, भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार, भाषा संरचना और भाषिक प्रकार्य • **भाषा विज्ञान:** भाषा विज्ञान का नामकरण, परिभाषा, स्वरूप औरव्याप्ति भाषा विज्ञान का अध्ययन क्षेत्र, अध्ययन की दिशाएँ, भाषा विज्ञान के प्रकार - अनुप्रयुक्त और व्यतिरेकी भाषाविज्ञान
2	**स्वन विज्ञान** (18 Lectures)
	• **स्वन विज्ञान:** परिभाषा, स्वरूप, वाग अवयव और उनके कार्य, स्वनिम की विशेषताएँ, स्वनिम के भेद - खंड्य स्वनिम, खंडयेत्तर स्वनिम, स्वन परिवर्तन की दिशाएँ, स्वन परिवर्तन के कारण, हिंदी स्वरों तथा व्यंजनों का वर्गीकरण
3	**हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि** (18 Lectures)
	• **प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ** - वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उसकी विशेषताएँ • **मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ** - पालि, प्राकृत, शौरसेनी, अर्धमागधी, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएँ • **आधुनिक भारतीय भाषाओं का सामान्य परिचय** - मराठी, गुजराती,राजस्थानी, पंजाबी, तेलुगु, कन्नड़, तमिल, मलयालम
4	**हिंदी का वाक्य विन्यास** (06 Lectures)
	• पद, पदक्रम, वाक्य के भेद (अर्थ एवं रचना के आधार पर)

Learning Resources recommended: संदर्भ ग्रंथ-सूची

१. भाषा विज्ञान डॉ. भोलानाथ तिवारी
२. भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र - डॉ. कपिलदेव द्विवेदी
३. हिंदी भाषा का उद्भव और विकास- डॉ. उदयनारायण तिवारी
४. हिंदी भाषा डॉ. भोलानाथ तिवारी -
५. भाषिकी, हिंदी भाषा तथा भाषा शिक्षण - डॉ. अंबादास देशमुख
६. भाषा विज्ञान के अधुनातन आयाम - डॉ. अंबादास देशमुख
७. सामान्य भाषा विज्ञान सैद्धांतिक विवेचन - डॉ. विद्यासागर दयाल
८. वर्ण विज्ञान श्री. प्रभात रज्जन सरकार
९. भाषाशास्त्र तथा हिंदी भाषा की रूपरेखा - डॉ. देवेंद्र कुमार शास्त्री
१०. हिंदी व्याकरण प्रकाश - डॉ. महेंद्र कुमार राना
११. भाषा विज्ञान की रूपरेखा द्वारका प्रसाद सक्सेना
१२. नागरी लिपि : रूप और सुधार मोहन ब्रज
१३. हिंदी उद्भव विकास और रूप - हरदेव बाहरी

१४. भाषा और भाषिका - डॉ. देवीशंकर द्विवेदी
१५. सामान्य भाषा विज्ञान - डॉ. बाबूराम सक्सेना
१६. हिंदी भाषा एवं भाषा विज्ञान - डॉ. महावीरसरन जैन
१७. आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धांत - डॉ. रामकिशोर शर्मा
१८. भाषा - सं. राजमल बोरा
१९. भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा स्वरूप का विकास - डॉ. देवेंद्र सिंह
२०. भाषा विज्ञान - रमेश रावत
२१. भाषा और सूचना प्रद्यौगिकी - डॉ. अमर सिंह वधान
२२. भाषा प्रौद्योगिकी एवं भाषा प्रबंधन - रामगोपाल शर्मा २३. हिंदी भाषा : कल और आज पूरनचंद टंडन
२४. हिंदी भाषा, व्याकरण और रचना - डॉ. अर्जुन तिवारी
२५. भारतीय भाषा विज्ञान- आचार्य किशोरदास वाजपेयी
२६. आधुनिक भाषा विज्ञान - राजमणि शर्मा
२७. हिंदी भाषा : इतिहास और स्वरूप राजमणि शर्मा
२८. भाषा और प्रौद्योगिकी - डॉ. विनोद प्रसाद
२९. भाषा शिक्षण - रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
३०. हिंदी भाषा का इतिहास- डॉ. भोलानाथ तिवारी
३१. हिंदी भाषा की संरचना - डॉ. भोलानाथ तिवारी
३२. राजभाषा हिंदी - कैलाशचंद्र भाटिया
३३. भाषा की उत्पत्ति, रचना और विकास विनोद दिवाकर -
३४. हिंदी व्याकरण- कामता प्रसाद गुरु
३५. हिंदी वर्तनी का विकास - अनिता गुप्ता
३६. हिंदी का विश्व संदर्भ - डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय
३७. हिन्दी भाषा एक अवाध प्रवाह डॉ. सुमन सिंह
३८.देवनागरी विमर्श-सं. शैलेंद्रकुमार शर्मा

Teaching plan:

Unit	Title	Expected date of completion	Teaching methods
1	**भाषा और भाषा विज्ञान**	19/08/2023	व्याख्यान, विश्लेषण, ICT
2	**स्वन विज्ञान**	02/09/2023	व्याख्यान, विश्लेषण, ICT
3	**हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि**	30/09/2023	व्याख्यान, विश्लेषण, ICT
4	**हिंदी का वाक्य विन्यास**	31/10/2023	व्याख्यान, विश्लेषण, ICT

Evaluation Pattern

A) Internal Assessment: 40 % (40 Marks)

Method	**Marks**
लेखन कार्य / परियोजना	20
प्रस्तुतीकरण / वस्तुनिष्ठ प्रश्न	10
कक्षा प्रदर्शन / स्वाध्याय	10
Question Paper Pattern for Periodical Class Test/ Online Examination Maximum Marks: 10 Duration: 30 Minutes Match the Column / Fill in the Blanks / Multiple Choice Questions/ True or False / Answer in One or Two Lines (Concept based Questions) (1 Marks each)	

B) Semester End Examination: 60% (60 Marks)
Duration: The examination shall be of 2 hours' duration.

Question No	**Unit**	**Marks**
प्रश्न-1 दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प सहित)	1-4	20
प्रश्न-2 दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प सहित)	1-4	20
प्रश्न-3 टिप्पणियाँ (4 में से 2)	1-4	20

Revised Syllabus of Courses of Master of Arts (M.A.) Hindi Programme at Semester I With Effect from the Academic Year 2023-2024

Name of the Course	**मीडिया लेखन-I (Media Writing-I)**
Course Code	PAHIN104
Class	M.A. Hindi
Semester	I
No of Credits	02
Nature	Theory, Practical & Project
Type	Major: Mandatory 4
Employability/ Entrepreneurship/ Skill Development	माध्यम उपयोगी लेखन के अध्ययन से संचार माध्यमों उपयोगी प्रकारों में लेखन कौशल्य का विकास होगा। जनसंचार माध्यमों में रोजगार प्राप्ति के लिए सहायक सिद्ध होगा।

मीडिया लेखन-I (Media Writing-I)

Modules at a Glance

Sr. No.	Modules	No. of Lectures
1	**श्रव्य माध्यम लेखन (विविध कायक्रमों का परिचय एवं लेखन)**	15
2	**दृश्य-श्रव्य माध्यम - फिल्म, टेलीविजन और वीडियो**	15
	Total	**30**

Course Outcomes:

1. माध्यमोपयोगी लेखन के स्वरूप और प्रमुख प्रकारों को समझना।
2. श्रव्य माध्यम लेखन के लिए सक्षम बनाना।
3. दृश्य श्रव्य माध्यम लेखन के लिए सक्षम बनाना

Curriculum:

इकाई एक

श्रव्य माध्यम लेखन (विविध कायक्रमों का परिचय एवं लेखन)

- माध्यमोपयोगी लेखन का स्वरूप और प्रमुख प्रकार
- रेडियो का संक्षिप्त परिचय
- रेडियो के विभिन्न कार्यक्रम
- समाचार लेखन व निर्माण तथा वाचन
- रेडियो नाटक
- उद्घोषणा लेखन
- फीचर - लेखन
- रिपोर्ताज लेखन
- धारावाहिक लेखन

इकाई दो

दृश्य-श्रव्य माध्यम - फिल्म, टेलीविजन और वीडियो

- फिल्म
- टेलीविजन
- दृश्य माध्यमों की भाषा
- पटकथा लेखन
- टेलीड्रामा
- संवाद लेखन
- टी. वी. नाटक लेखन
- फिल्म और टी. वी. के कथानक लेखन में अन्तर

Sr. No.	Modules / Units
1	**श्रव्य माध्यम लेखन (विविध कायक्रमों का परिचय एवं लेखन)** (15 Lectures)
	• माध्यमोपयोगी लेखन का स्वरूप और प्रमुख प्रकार • रेडियो का संक्षिप्त परिचय • रेडियो के विभिन्न कार्यक्रम • समाचार लेखन व निर्माण तथा वाचन • रेडियो नाटक

	• उद्घोषणा लेखन • फीचर - लेखन • रिपोर्ताज लेखन • धारावाहिक लेखन
2	**दृश्य-श्रव्य माध्यम - फिल्म, टेलीविजन और वीडियो** (15 Lectures)
	• फिल्म • टेलीविजन • दृश्य माध्यमों की भाषा • पटकथा लेखन • टेलीड्रामा • संवाद लेखन • टी. वी. नाटक लेखन • फिल्म और टी. वी. के कथानक लेखन में अन्तर

Learning Resources recommended: संदर्भ ग्रंथ-सूची

१. जनसंचार माध्यम- गौरीशंकर रैना
२. मीडिया लेखन - सुमित मोहन
३. नये जनसंचार माध्यम और हिन्दी सुधीर पचौरी, अंचला नागर, -
४. मीडिया और जनसंवाद वर्तिका नंदा -
५. जनसंचार सिद्धांत और अनुप्रयोग विष्णु राजगढ़ियाँ -
६. टेलीविजन की कहानी डॉ. श्याम कश्यप
७. मीडिया और बाजारवाद संपा. रामशरण जोशी
८. कसौटी पर मीडिया - मुकेश कुमार
९. जनसंचार और मीडिया लेखन- डॉ. दत्तात्रय मुरुमकर
१०. कथा पटकथा - मन्नु भण्डारी
११. पटकथा एक परिचय- मनोहर श्याम जोशी
१२. टेलीविजन लेखन - असगर वजाहत
१३. पटकथा लेखन निर्देशिका - असगर वजाहत
१४. टेलीविजन की भाषा - हरिश्चंद्र बर्नवाल
१५. टेलीविजन पटकथा लेखन- विनोद तिवारी

Teaching plan:

Unit	Title	Expected date of completion	Teaching methods
1	**श्रव्य माध्यम लेखन (विविध कायक्रमों का परिचय एवं लेखन)**	25/08/2023	व्याख्यान, विश्लेषण, ICT
2	**दृश्य-श्रव्य माध्यम - फिल्म, टेलीविजन और वीडियो**	26/09/2023	व्याख्यान, विश्लेषण, ICT

Evaluation Pattern

A) Internal Assessment: 40 % (40 Marks)

Method	Marks
लेखन कार्य / परियोजना	20
प्रस्तुतीकरण / वस्तुनिष्ठ प्रश्न	10
कक्षा प्रदर्शन / स्वाध्याय	10
Question Paper Pattern for Periodical Class Test/ Online Examination Maximum Marks: 10 Duration: 30 Minutes Match the Column / Fill in the Blanks / Multiple Choice Questions/ True or False / Answer in One or Two Lines (Concept based Questions) (1 Marks each)	

B) Semester End Examination: 60% (60 Marks)
Duration: The examination shall be of 1 hours' duration.

Question No	Unit	Marks
प्रश्न-1 दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प सहित)	1-4	20
प्रश्न-2 दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प सहित)	1-4	20
प्रश्न-3 टिप्पणियाँ (4 में से 2)	1-4	20

Revised Syllabus of Courses of Master of Arts (M.A.) Hindi Programme at Semester I With Effect from the Academic Year 2023-2024

Name of the Course	**प्राचीन और मध्यकालीन काव्य-I (Ancient and Medieval Poetry-I)**
Course Code	PAHIN105
Class	M.A. Hindi
Semester	I
No of Credits	04
Nature	Theory, Practical & Project
Type	Major: Elective 1
Employability/ Entrepreneurship/ Skill Development	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य के अध्ययन से युगीन समाज की प्रवृत्तियों का अध्ययन कर वर्तमान विसंगत स्थिति और समस्याओं की तौलनिक समझ आएगी और वैचारिक निर्णय में साक्षमता का विकास होगा।

प्राचीन और मध्यकालीन काव्य-I (Ancient and Medieval Poetry-I)

Modules at a Glance

Sr. No.	Modules	No. of Lectures
1	**बीसलदेव रासो**	20
2	**कबीर**	20
3	**पद्मावत (सिंहल द्वीप वर्णन खंड)**	10
4	**पद्मावत (नागमती वियोग खंड)**	10
	Total	**60**

Course Outcomes:

1. छात्रों को प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य के स्वरूप विशेषताओं से परिचित कराना।
2. छात्रों को बीसलदेव रासो तथा कबीर के प्रतिनिधिक पदों की विस्तार से जानकारी देना।
3. पद्मावत महाकाव्य का और संदर्भित प्रतिनिधिक खंडो का अध्ययन।

Curriculum:

प्राचीन और मध्यकालीन काव्य : संपादन- हिंदी अध्ययन मंडल, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई राधाकृष्ण प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली- 11002

इकाई एक

बीसलदेव रासो

- व्याख्या हेतु छंद: 6, 11, 16, 19, 26, 30, 32, 36, 38, 39, 41, 45, 52, 60, 65, 69, 71, 74, 82, 96, 105, 108, 113, 124, 125 कुल = 25

इकाई दो

कबीर

- व्याख्या हेतु पद : 1, 3, 8, 11, 14, 21, 39, 41, 43, 47, 57, 64, 66, 79, 87, 94, 97, 117, 130, 134, 139, 147, 156, 163, 168 कुल = 25

इकाई तीन

पद्मावत

- व्याख्या हेतु खंड : १. सिंहल द्वीप वर्णन खंड

इकाई चार

पद्मावत

- व्याख्या हेतु खंड: २. नागमती वियोग खंड

Sr. No.	Modules / Units
1	**बीसलदेव रासो** (15 Lectures)
	• व्याख्या हेतु छंद: 6, 11, 16, 19, 26, 30, 32, 36, 38, 39, 41, 45, 52, 60, 65, 69, 71, 74, 82, 96, 105, 108, 113, 124, 125 कुल = 25
2	**कबीर** (15 Lectures)
	• व्याख्या हेतु पद : 1, 3, 8, 11, 14, 21, 39, 41, 43, 47, 57, 64, 66, 79, 87, 94, 97, 117, 130, 134, 139, 147, 156, 163, 168 कुल = 25
3	**पद्मावत (सिंहल द्वीप वर्णन खंड)** (15 Lectures)
	• व्याख्या हेतु खंड : १. सिंहल द्वीप वर्णन खंड
4	**पद्मावत (नागमती वियोग खंड)** (15 Lectures)
	• व्याख्या हेतु खंड: २. नागमती वियोग खंड

Learning Resources recommended: संदर्भ ग्रंथ-सूची

१. कबीर की विचारधारा - डॉ. गोविंद त्रिगुणायत

२. कबीर ग्रंथावली - डॉ. एल. बी. राम 'अनंत'

३. कबीर : व्यक्तित्व एवं सिद्धांत - डॉ. सरनाम सिंह

४. कबीर का रहस्यवाद - डॉ. रामकुमार वर्मा

५. कबीर साहित्य की परख आचार्य परशुराम चतुर्वेदी

६. जायसी एवं उनका काव्य - डॉ. शिवसहाय पाठक

७. जायसी का पद्मावत : काव्य और दर्शन - डॉ. गोविंद त्रिगुणायत

८. जायसी - डॉ. विजयदेव नारायण साही

९. तुलसीदास : आधुनिक वातायन से - डॉ. रमेश कुंतल 'मेघ'

१०. जायसी का काव्य शिल्प - डॉ. दर्शनलाल सेठी

११. तुलसीदास और उनका युग डॉ. राजपति दीक्षित -

१२. रामचरितमानस में अलंकार योजना - डॉ. वचनदेव कुमार

१३. मध्यकालीन कवि और कविता - डॉ. रतनकुमार पांडेय

१४. कालजयी संत तुलसीदास - डॉ. उमापति दीक्षित

१५. तुलसी काव्य में विविध आयाम- डॉ. उमापति दीक्षित

१६. मध्यकालीन काव्य : चिंतन और संवेदना - डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय

१७. विविधा - डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय

१८. साहित्य और संस्कृति के सरोकार - डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय

१९. रीतिकालीन काव्य परंपरा में पद्मावत डॉ. द्वारकानाथ राय

२०. मध्ययुगीन हिंदी साहित्य में नारी भावना - डॉ. उषा पांडेय

२१. रीति परंपरा के प्रमुख आचार्य- डॉ. सत्यदेव चौधरी

२२. हिंदी काव्य में शृंगार परंपरा और बिहारी - डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त

२३. हिंदी रीतिकालीन काव्य पर संस्कृत काव्य का प्रभाव - डॉ. दयानंद शर्मा

२४. मीरा और मीरा - महादेवी वर्मा

२५. भक्तिमती मीराबाई जीवन और काव्य - लालबहादुर सिंह चौहान

२६. कबीर एवं तुकाराम का तुलनात्मक अध्ययन - डॉ. बालकवि सुरंजे

२७. वाल्मीकि एवं तुलसी के नारी पात्र डॉ. संतोष मोटवानी

२८. भक्ति साहित्य में विश्वबंधुत्व की भावना सं. डॉ. अनिल सिंह -

२९. रहीम काव्य में पुराख्यान - डॉ. मोहसीन खान

Teaching plan:

Unit	Title	Expected date of completion	Teaching methods
1	**बीसलदेव रासो**	20/08/2023	व्याख्यान, विश्लेषण, ICT
2	**कबीर**	02/09/2023	व्याख्यान, विश्लेषण, ICT
3	**पद्मावत (सिंहल द्वीप वर्णन खंड)**	30/09/2023	व्याख्यान, विश्लेषण, ICT
4	**पद्मावत (नागमती वियोग खंड)**	31/10/2023	व्याख्यान, विश्लेषण, ICT

Evaluation Pattern

A) Internal Assessment: 40 % (40 Marks)

Method	Marks
लेखन कार्य / परियोजना	20
प्रस्तुतीकरण / वस्तुनिष्ठ प्रश्न	10
कक्षा प्रदर्शन / स्वाध्याय	10
Question Paper Pattern for Periodical Class Test/ Online Examination Maximum Marks: 10 Duration: 30 Minutes Match the Column / Fill in the Blanks / Multiple Choice Questions/ True or False / Answer in One or Two Lines (Concept based Questions) (1 Marks each)	

B) Semester End Examination: 60% (60 Marks)
Duration: The examination shall be of 2 hours' duration.

Question No	Unit	Marks
प्रश्न-1 संदर्भ सहित व्याख्या (तीनों पुस्तकों में से) 02 प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित	1-4	20
प्रश्न-2 दीर्घोत्तरी प्रश्न (तीनों पुस्तकों में से) 02 प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित	1-4	30
प्रश्न-3 टिप्पणियाँ (तीनों पुस्तकों में से) 02 प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित	1-4	10

Revised Syllabus of Courses of Master of Arts (M.A.) Hindi Programme at Semester I With Effect from the Academic Year 2023-2024

Name of the Course	**लोक साहित्य-I (Folk Literature-I)**
Course Code	PAHIN106
Class	M.A. Hindi
Semester	I
No of Credits	04
Nature	Theory, Practical & Project
Type	Major: Elective 2
Employability/ Entrepreneurship/ Skill Development	परंपरागत लोक साहित्य में अभिव्यक्त समाज एवं संस्कृति के अध्ययन से दार्शनिक विचारों, परिकल्पना में सिद्धहस्त होगा। लोक कला को अर्जित अवस्था आएगी तथा लोक कला के माध्यम से नवीनतम रोजगार वृद्धि होगी।

लोक साहित्य-I (Folk Literature-I)

Modules at a Glance

Sr. No.	Modules	No. of Lectures
1	**लोक साहित्य का स्वरूप**	16
2	**लोकवार्ता**	12
3	**लोक साहित्य का महत्त्व**	16
4	**लोकगीत**	16
	Total	**60**

Course Outcomes:

1. लोक साहित्य के स्वरूप और क्षेत्र को समझना।
2. लोकवार्ता और लोक साहित्य के संबंध को समझना।
3. विविध दृष्टि से लोक साहित्य के अध्ययन का महत्व।
4. लोकगीत को समझते हुए उसके वर्गीकरण और पद्धतियों को समझना।

Curriculum:

इकाई एक

लोक साहित्य का स्वरूप –

- 'लोक' शब्द की व्युत्पत्ति एवं अर्थ, लोकतत्त्व अर्थ एवं स्वरूप विवेचन,
- लोकसाहित्य परिभाषाएँ एवं विशेषताएँ
- लोकसाहित्य और शिष्टसाहित्य में साम्य-भेद (लोकसाहित्य का क्षेत्र)

इकाई दो

लोकवार्ता –

- परिभाषा एवं स्वरूप विवेचन
- लोकवार्ता और लोक साहित्य का संबंध

इकाई तीन

लोकसाहित्य का महत्त्व –

- सामाजिक, आर्थिक, नैतिक, धार्मिक, सांस्कृतिक, भाषाशास्त्रीय दृष्टियों से लोकसाहित्य के अध्ययन का महत्त्व

इकाई चार

लोकगीत –

- परिभाषाएँ, विशेषताएँ और प्रेरणास्रोत,
- लोकगीत और शिष्टगीत में अंतर –
- लोकगीतों के वर्गीकरण की पद्धतियाँ,
- लोकगीतों का परिचय- सोहर, मुंडन, यज्ञोपवीत, विवाह, गौना आदि संस्कारों से संबंधित गीत, कजली होली, सावनगीत, करवाचौथ के गीत, पवाडा, लावनी

Sr. No.	Modules / Units
1	**लोक साहित्य का स्वरूप** (15 Lectures)
	• 'लोक' शब्द की व्युत्पत्ति एवं अर्थ, लोकतत्त्व अर्थ एवं स्वरूप विवेचन, • लोकसाहित्य परिभाषाएँ एवं विशेषताएँ • लोक साहित्य और शिष्टसाहित्य में साम्य-भेद (लोक साहित्य का क्षेत्र)
2	**लोकवार्ता** (15 Lectures)
	• परिभाषा एवं स्वरूप विवेचन • लोकवार्ता और लोकसाहित्य का संबंध
3	**लोक साहित्य का महत्त्व** (15 Lectures)
	• सामाजिक, आर्थिक, नैतिक, धार्मिक, सांस्कृतिक, भाषाशास्त्रीय दृष्टियों से लोकसाहित्य के अध्ययन का महत्त्व
4	**लोकगीत** (15 Lectures)
	• परिभाषाएँ, विशेषताएँ और प्रेरणास्रोत, • लोकगीत और शिष्टगीत में अंतर – • लोकगीतों के वर्गीकरण की पद्धतियाँ, • लोकगीतों का परिचय- सोहर, मुंडन, यज्ञोपवीत, विवाह, गौना आदि संस्कारों से संबंधित गीत, कजली होली, सावनगीत, करवाचौथ के गीत, पवाडा, लावनी

Learning Resources recommended: संदर्भ ग्रंथ-सूची

१. लोकसाहित्य की भूमिका - डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय
२. लोकसाहित्य सिद्धांत और प्रयोग - डॉ. श्रीराम शर्मा
३. लोकवार्ता और लोकगीत- डॉ. सत्येंद्र
४. लोकसाहित्य का अध्ययन - डॉ. त्रिलोचन पांडेय
५. महाराष्ट्र का हिंदी लोकनाट्य - डॉ. कृष्ण दिवाकर
६. लोकगीतों का विकासात्मक अध्ययन - डॉ. कुलदीप
७. लोकगीतों की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि - डॉ. विद्या चौहान
८. हमारे संस्कार गीत- राजरानी वर्मा
९. लोकनाट्य परंपरा और पंक्तियाँ - डॉ. महेंद्र भावत
१०. भारत के लोकनाट्य - डॉ. शिवकुमार
११. लोकसाहित्य - इंद्रदेव सिंह
१२. लोकसाहित्य विमर्श - डॉ. श्याम परमार

Teaching plan:

Unit	Title	Expected date of completion	Teaching methods
1	**लोक साहित्य का स्वरूप**	25/08/2023	व्याख्यान, विश्लेषण, ICT
2	**लोकवार्ता**	08/09/2023	व्याख्यान, विश्लेषण, ICT
3	**लोक साहित्य का महत्त्व**	30/09/2023	व्याख्यान, विश्लेषण, ICT
4	**लोकगीत**	31/10/2023	व्याख्यान, विश्लेषण, ICT

Evaluation Pattern

A) Internal Assessment: 40 % (40 Marks)

Method	Marks
लेखन कार्य / परियोजना	20
प्रस्तुतीकरण / वस्तुनिष्ठ प्रश्न	10
कक्षा प्रदर्शन / स्वाध्याय	10
Question Paper Pattern for Periodical Class Test/ Online Examination Maximum Marks: 10 Duration: 30 Minutes Match the Column / Fill in the Blanks / Multiple Choice Questions/ True or False / Answer in One or Two Lines (Concept based Questions) (1 Marks each)	

B) Semester End Examination: 60% (60 Marks)
Duration: The examination shall be of 2 hours' duration.

Question No	Unit	Marks
प्रश्न-1 संदर्भ सहित व्याख्या (तीनों पुस्तकों में से) 02 प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित	1-4	20
प्रश्न-2 दीर्घोत्तरी प्रश्न (तीनों पुस्तकों में से) 02 प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित	1-4	30
प्रश्न-3 टिप्पणियाँ (तीनों पुस्तकों में से) 02 प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित	1-4	10

Revised Syllabus of Courses of Master of Arts (M.A.) Hindi Programme at Semester I With Effect from the Academic Year 2023-2024

Name of the Course	**भारतीय साहित्य-I (Indian Literature-I)**
Course Code	PAHIN107
Class	M.A. Hindi
Semester	I
No of Credits	04
Nature	Theory, Practical & Project
Type	Major: Elective 3
Employability/ Entrepreneurship/ Skill Development	ग्रामीण और शहरी भारतीय साहित्य के अध्ययन से सामाजिक परिदृश्य समझने में आसानी होगी और विविध घटना एवं पहलुओं के माध्यम से समाजिक और पारिवारिक समस्या सुलझाने का कौशल प्राप्त होगा। लेखन कौशल विकसित होगा।

भारतीय साहित्य-I (Indian Literature-I)

Modules at a Glance

Sr. No.	Modules	No. of Lectures
1	**छह बीघा ज़मीन (उपन्यास)**	12
2	**छह बीघा ज़मीन (उपन्यास)**	12
3	**दो खिड़कियाँ (साहित्यिक संग्रह)**	18
4	**नागमंडल (नाटक)**	18
	Total	**60**

Course Outcomes:

1. 'छह बीघा जमीन' उपन्यास का समीक्षात्मक अध्ययन।
2. 'दो खिड़कियां' साहित्यिक संग्रह का समीक्षात्मक अध्ययन।
3. 'नागमंडल' नाटक का समीक्षात्मक अध्ययन।
4. तत्कालीन समाज में प्रतिबिंबित सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, राजनैतिक, शैक्षणिक पहलुओं को तथा सामाजिक सरोकार को संदर्भित साहित्य के माध्यम से समजना ।

Curriculum:

इकाई एक और दो

१. छह बीघा ज़मीन (उपन्यास) - फ़क़ीरमोहन सेनापति
साहित्य अकादमी, नई दिल्ली

इकाई तीन

२. दो खिड़कियाँ (साहित्यिक संग्रह) - अमृता प्रीतम
राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

इकाई चार

३. नागमंडल (नाटक) - गिरीश कारनाड
राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

Sr. No.	Modules / Units	
1	**छह बीघा ज़मीन (उपन्यास)**	(12 Lectures)
	• पाठ वाचन एवं व्याख्या	
2	**छह बीघा ज़मीन (उपन्यास)**	(12 Lectures)
	• पाठ वाचन एवं व्याख्या	
3	**दो खिड़कियाँ (साहित्यिक संग्रह)**	(18 Lectures)
	• पाठ वाचन एवं व्याख्या	
4	**नागमंडल (नाटक)**	(18 Lectures)
	• पाठ वाचन एवं व्याख्या	

Learning Resources recommended: संदर्भ ग्रंथ-सूची

१. भारतीय साहित्य की भूमिका - डॉ. रामविलास शर्मा
२. परंपरा का मूल्यांकन - डॉ. रामविलास शर्मा
३. भारतीय साहित्य - सं. मूलचंद गौतम
४. भारतीय साहित्य : स्थापनाएँ और प्रस्तावनाएँ - के. सच्चिदानंद

५. अप्रतिम भारत- सं. डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय

६. अतुल्य भारत - सं. वीरेंद्र याज्ञनिक

७. भारतीय साहित्य : आशा और आस्था- डॉ. आरसु

Teaching plan:

Unit	Title	Expected date of completion	Teaching methods
1	**छह बीघा ज़मीन (उपन्यास)**	22/08/2023	व्याख्यान, विश्लेषण, ICT
2	**छह बीघा ज़मीन (उपन्यास)**	06/09/2023	व्याख्यान, विश्लेषण, ICT
3	**दो खिड़कियाँ (साहित्यिक संग्रह)**	30/09/2023	व्याख्यान, विश्लेषण, ICT
4	**नागमंडल (नाटक)**	31/10/2023	व्याख्यान, विश्लेषण, ICT

Evaluation Pattern

A) Internal Assessment: 40 % (40 Marks)

Method	Marks
लेखन कार्य / परियोजना	20
प्रस्तुतीकरण / वस्तुनिष्ठ प्रश्न	10
कक्षा प्रदर्शन / स्वाध्याय	10
Question Paper Pattern for Periodical Class Test/ Online Examination Maximum Marks: 10 Duration: 30 Minutes Match the Column / Fill in the Blanks / Multiple Choice Questions/ True or False / Answer in One or Two Lines (Concept based Questions) (1 Marks each)	

B) Semester End Examination: 60% (60 Marks)
Duration: The examination shall be of 2 hours' duration.

Question No	Unit	Marks
प्रश्न-1 संदर्भ सहित व्याख्या (तीनों पुस्तकों में से) 02 प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित	1-4	20
प्रश्न-2 दीर्घोत्तरी प्रश्न (तीनों पुस्तकों में से) 02 प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित	1-4	30
प्रश्न-3 टिप्पणियाँ (तीनों पुस्तकों में से) 02 प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित	1-4	10

Revised Syllabus of Courses of Master of Arts (M.A.) Hindi Programme at Semester I
With Effect from the Academic Year 2023-2024

Name of the Course	Research Methodology
Course Code	PAHIN108
Class	M.A. Hindi
Semester	I
No of Credits	4
Nature	Theory
Type	Research Methodology
Relevance with Employability/ Entrepreneurship/ Skill development	शोध अनुसंधान की जानकारी से संशोधन क्षेत्र में कौशल विकसित होगा। संशोधन में साक्षमता आएगी। छात्र व्यावसायिक अनुप्रयोग में अनुसंधान पद्धति का ज्ञान प्राप्त करेंगे। इसके अलावा, छात्र को उसकी अनुसंधान योग्यता, विश्लेषणात्मक और निर्णय लेने के कौशल में वृद्धि के रूप में लाभ होगा। अनुसंधान के क्षेत्र में ज्ञान प्राप्त करने से रोजगार की संभावना बढ़ेगी और कॉर्पोरेट क्षेत्र में बेहतर संभावनाएं मिलेंगी।

Research Methodology

Modules at a Glance

Sr. No.	Modules	No. of Lectures
1	**अनुसंधान की प्रविधि**	20
2	**अनुसंधान प्रक्रिया**	20
3	**लघु शोध प्रबंध लेखन**	20
	Total	**60**

Course Outcomes:

1. व्यवसाय में अनुसंधान की विशेषताओं और महत्व, विभिन्न प्रकार के अनुसंधान, अनुसंधान समस्याओं के निर्माण, अनुसंधान डिजाइन और साहित्य समीक्षा के महत्व की समझ आयेगी।
2. डेटा संग्रह जिसमें प्राथमिक और माध्यमिक डेटा संग्रह तकनीक, प्रश्नावली डिजाइनिंग और डेटा संग्रह विधियों की जानकारी प्राप्त होगी।
3. छात्र संपादन, कोडिंग, वर्गीकरण, सारणीकरण और ग्राफिक प्रस्तुति सहित डेटा प्रोसेसिंग तकनीकों का विश्लेषण, सहसंबंध विश्लेषण और प्रतिगमन विश्लेषण का उपयोग करके सांख्यिकीय विश्लेषण कर सकेगा।
4. अनुसंधान में उनकी प्रयोज्यता और महत्व पर विचार करते हुए, पैरामीट्रिक परीक्षण (टी-टेस्ट, एफ-टेस्ट, जेड-टेस्ट) और गैर-पैरामीट्रिक परीक्षण सहित परिकल्पनाओं के लिए विभिन्न परीक्षण विधियों का मूल्यांकन कर सकेगा।
5. अनुसंधान रिपोर्ट लेखन, उचित संदर्भ और उद्धरण विधियों की अनिवार्यताओं का पालन करते हुए और अनुसंधान में नैतिक मानदंडों और प्रथाओं का पालन करते हुए, अच्छी तरह से संरचित अनुसंधान रिपोर्ट बना सकेगा।

Curriculum:

इकाई एक

अनुसंधान की प्रविधि

- स्वरूप
- अनुसंधान कार्य में प्रकल्पना का महत्व
- अनुसंधान की पद्धतियां
- अनुसंधान के भेद
- साहित्य शोध और समीक्षा
- अनुसंधान की प्रविधि- हिंदी अनुसंधान वैज्ञानिक पद्धतियां

इकाई दो

अनुसंधान प्रक्रिया

- निर्देशक के गुण तथा पारस्परिक संबंध
- तुलनात्मक अध्ययन
- अनुसंधान के तंत्र एवं साधन
- ग्रंथ संपादन विधि
- पाठानुसंधान

इकाई तीन

लघु शोध प्रबंध लेखन

- विषय चयन
- प्रबंध की रूपरेखा
- सामग्री संकलन
- कार्यपद्धती
- उद्धरण
- पाद टिप्पणी
- संदर्भ ग्रंथ सूची
- परिशिष्ट
- कोष्ठक
- सांख्यिकी जानकारी
- निष्कर्ष
- प्रबंध का टंकलेखन

Sr. No.	Modules / Units
1	**अनुसंधान की प्रविधि** (20 Lectures)
	• स्वरूप • अनुसंधान कार्य में प्रकल्पना का महत्व • अनुसंधान की पद्धतियां • अनुसंधान के भेद • साहित्य शोध और समीक्षा • अनुसंधान की प्रविधि- हिंदी अनुसंधान वैज्ञानिक पद्धतियां
2	**अनुसंधान प्रक्रिया** (20 Lectures)
	• निर्देशक के गुण तथा पारस्परिक संबंध • तुलनात्मक अध्ययन • अनुसंधान के तंत्र एवं साधन • ग्रंथ संपादन विधि • पाठानुसंधान
3	**लघु शोध प्रबंध लेखन** (20 Lectures)

	• विषय चयन • प्रबंध की रूपरेखा • सामग्री संकलन • कार्यपद्धती • उद्धरण • पाद टिप्पणी • संदर्भ ग्रंथ सूची • परिशिष्ट • कोष्ठक • सांख्यिकी जानकारी • निष्कर्ष

Learning Resources recommended: संदर्भ ग्रंथ-सूची

१. अनुसंधान प्राविधि सिध्दांत और प्रक्रिया- एस एन गणेशन
२. शोध प्राविधि – डॉ. विनयमोहन शर्मा
३. शोध पध्दति शास्त्र विधियाँ व तकनीके – प्रो. हरिद्वार शुक्ला
४. शोध प्राविधि – हरीशकुमार खत्री
५. शोध पध्दतियाँ - डॉ. बि एल फड़िया

Online Platforms and Resources:

1. Shodhganga (shodhganga.inflibnet.ac.in): A digital repository of Indian research theses and dissertations, offering access to valuable research materials and studies.
2. Indian Council of Social Science Research (ICSSR) (icssr.org): Provides research grants, publications, and resources for social science research in India.
3. ResearchGate (www.researchgate.net): An online platform for researchers to share and access scholarly articles, publications, and collaborate with peers.
4. IndiaStat (www.indiastat.com): Offers statistical data and reports related to various fields in India, useful for research purposes.
5. Indian Statistical Institute (ISI) (www.isical.ac.in): Provides research publications, data sets, and resources in the field of statistics and research methodology.

Teaching plan:

Unit	Title	Expected date of completion	Teaching methods
1	**अनुसंधान की प्रविधि**	30/08/2023	व्याख्यान, विश्लेषण, ICT
2	**अनुसंधान प्रक्रिया**	18/09/2023	व्याख्यान, विश्लेषण, ICT
3	**लघु शोध प्रबंध लेखन**	31/10/2023	व्याख्यान, विश्लेषण, ICT

Evaluation Pattern

A) Internal Assessment: 40 % (40 Marks)

Method	Marks
लेखन कार्य / परियोजना	20
प्रस्तुतीकरण / वस्तुनिष्ठ प्रश्न	10
कक्षा प्रदर्शन / स्वाध्याय	10
Question Paper Pattern for Periodical Class Test/ Online Examination Maximum Marks: 10 Duration: 30 Minutes Match the Column / Fill in the Blanks / Multiple Choice Questions/ True or False / Answer in One or Two Lines (Concept based Questions) (1 Marks each)	

B) Semester End Examination: 60% (60 Marks)
Duration: The examination shall be of 2 hours' duration.

Question No	Unit	Marks
प्रश्न-1 दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प सहित)	1-4	20
प्रश्न-2 दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प सहित)	1-4	20
प्रश्न-3 टिप्पणियाँ (4 में से 2)	1-4	20

No. of Courses	Semester II	Credits
	Major : Mandatory	
PAHIN201	हिंदी साहित्य का इतिहास- आधुनिक काल- II (History of Hindi Literature- Modern Age- II)	4
PAHIN202	काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन- II (Poetics and Literary Criticism- II)	4
PAHIN203	भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा- II (Linguistics and Hindi Language- II)	4
PAHIN204	मीडिया लेखन- II(Media Writing- II)	2
	Major : Elective (Any One from below)	
PAHIN205	प्राचीन और मध्यकालीन काव्य- II (Ancient and Medieval Poetry- II)	4
PAHIN206	लोक साहित्य- II (Folk Literature- II)	
PAHIN207	भारतीय साहित्य- II (Indian Literature- II)	
PAHIN208	On Job Training/ Field Project	4
Total Credits		22

Revised Syllabus of Courses of Master of Arts (M.A.) Hindi Programme at Semester II With Effect from the Academic Year 2023-2024

Name of the Course	**हिंदी साहित्य का इतिहास- II (History of Hindi Literature- II)**
Course Code	PAHIN201
Class	M.A. Hindi
Semester	II
No of Credits	04
Nature	Theory, Practical & Project
Type	Major: Mandatory 1
Employability/ Entrepreneurship/ Skill Development	संदर्भित साहित्य इतिहास अध्ययन से जानकारी के साथ साहित्य पुनरलेखन में सहायता मिलेगी। समाज जीवन में अनेक मुकाम पर कवि एवं साहित्य का अनुभव चिंतन, अभ्यास से जीवन के निर्णय में सुविधा मिलेगी।

हिंदी साहित्य का इतिहास-II (History of Hindi Literature- II)

Modules at a Glance

Sr. No.	Modules	No. of Lectures
1	**आधुनिक कालीन परिवेश**	15
2	**आधुनिक हिंदी कविता का प्रवृत्तिगत अध्ययन**	15
3	**हिंदी गद्य साहित्य**	15
4	**हिंदी गद्य साहित्य**	15
	Total	**60**

Course Outcomes:

1. छात्रों को आधुनिक हिंदी साहित्य का परिचय करना।
2. आधुनिक हिंदी कविता और उनके प्रमुख युगीन परंपरा साहित्य विशेषताओं की जानकारी देना।
3. हिंदी गद्य की प्रमुख विधाओं का क्रमिक विकासक्रम और प्रतिनिधि विधा विशेष की सैद्धांतिक जानकारी देना।

Curriculum:

इकाई एक

आधुनिक कालीन परिवेश

इकाई दो

आधुनिक हिंदी कविता का प्रवृत्तिगत अध्ययन :

- भारतेंदु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, नवगीत, साठोत्तरी कविता, समकालीन कविता

इकाई तीन

हिंदी गद्य साहित्य :

- हिंदी साहित्य की प्रमुख गद्य विधाओं का क्रमिक विकास
- उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध

इकाई चार

आलोचना, यात्रा-वृत्तांत, डायरी, पत्र, जीवनी, आत्मकथा, रेखाचित्र, संस्मरण

हिंदी गद्य साहित्य

Sr. No.	Modules / Units
1	**आधुनिक कालीन परिवेश** (15 Lectures)
	• आधुनिक कालीन परिवेश का अध्ययन
2	**आधुनिक हिंदी कविता का प्रवृत्तिगत अध्ययन** (15 Lectures)
	• भारतेंदु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, नवगीत, साठोत्तरी कविता, समकालीन कविता
3	**हिंदी गद्य साहित्य** (15 Lectures)
	• हिंदी साहित्य की प्रमुख गद्य विधाओं का क्रमिक विकास- • उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध
4	**हिंदी गद्य साहित्य** (15 Lectures)
	• आलोचना, यात्रा-वृत्तांत, डायरी, पत्र, जीवनी, आत्मकथा, रेखाचित्र, संस्मरण

Learning Resources recommended: संदर्भ ग्रंथ-सूची

१. हिंदी साहित्य का इतिहास- आ. रामचंद्र शुक्ल -

२. हिंदी साहित्य का इतिहास- संपादक डॉ. नगेंद्र

३. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास- डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त

४. हिंदी साहित्य का इतिहास- डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय

५. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास- डॉ. बच्चन सिंह

६. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ - डॉ. जयकिशन प्रसाद खंडेलवाल

७. हिंदी साहित्य और उसकी प्रवृत्तियाँ - डॉ. गोविंदराम शर्मा

८. दिनकर का कुरुक्षेत्र - डॉ. मोहसिन ख़ान

९. प्रगतिवादी समीक्षक डॉ. रमविलास शर्मा - डॉ. मोहसिन खानसिंह

१०. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास- डॉ. बच्चन सिंह

११. हिंदी साहित्य का सुबोध इतिहास - बाबू गुलाबराय

१२. हिंदी साहित्य की भूमिका - डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी

१३. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास- डॉ. रामकुमार

१४. हिंदी साहित्य एक परिचय - डॉ. त्रिभुवन सिंहवर्मा

१५. हिंदी साहित्य और संवेदना का इतिहास- डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी

१६. हिंदी रीति साहित्य का इतिहास - डॉ. भगीरथ मिश्र

१७. रीतियुगीन काव्य - डॉ. कृष्णचंद्र वर्मा

१८. रीतिकाव्य की भूमिका - डॉ. नगेंद्र

१९. आधुनिक हिंदी साहित्य का आदिकाल - श्री नारायण चतुर्वेदी

२०. हिंदी साहित्य का प्रवृत्तिपरक इतिहास- डॉ. सभापति मिश्र

२१. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. माधव सोनटक्के

२२. हिंदी साहित्य का अद्यतन इतिहास- डॉ. मोहन अवस्थी

२३. हिंदी साहित्य का सही इतिहास - डॉ. चंद्रभानु सोनवणे / डॉ. सूर्यनारायण रणसुभे

२४. आधुनिक हिंदी कविता का पुनर्पाठ - डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय

२५. आधुनिक हिंदी कविता में काव्य चिंतन - डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय

२६. साहित्य और संस्कृति के सरोकार - डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय

२७. आधुनिक हिंदी साहित्य : वाद, प्रवृत्तियाँ एवं विमर्श - डॉ. दत्तात्रय मुरुमकर

२८. हिंदी साहित्य का आधा इतिहास - डॉ. सुमन राजे

२९. हिंदी साहित्य की नवीन विधाएँ - डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया

३०. हिंदी साहित्य का इतिहास : नए विचार नई दिशाएँ - डॉ. सुरेशकुमार जैन

३१. हिंदी साहित्य का इतिहास- डॉ. उद्धव भंडारे

३२. हिंदी साहित्य का इतिहास- डॉ. सज्जनराम केणी

३३. भक्ति साहित्य में विश्वबंधुत्व की भावना - सं. डॉ. अनिल

३४. भक्ति साहित्य मे परमानंद सागर- डॉ. सुमन सिंह

Teaching plan:

Unit	Title	Expected date of completion	Teaching methods
1	**आधुनिक कालीन परिवेश**	05/01/2024	व्याख्यान, विश्लेषण, ICT
2	**आधुनिक हिंदी कविता का प्रवृत्तिगत अध्ययन**	02/02/2024	व्याख्यान, विश्लेषण, ICT
3	**हिंदी गद्य साहित्य**	08/03/2024	व्याख्यान, विश्लेषण, ICT
4	**हिंदी गद्य साहित्य**	10/04/2024	व्याख्यान, विश्लेषण, ICT

Evaluation Pattern

A) Internal Assessment: 40 % (40 Marks)

Method	Marks
लेखन कार्य / परियोजना	20
प्रस्तुतीकरण / वस्तुनिष्ठ प्रश्न	10
कक्षा प्रदर्शन / स्वाध्याय	10
Question Paper Pattern for Periodical Class Test/ Online Examination Maximum Marks: 10 Duration: 30 Minutes Match the Column / Fill in the Blanks / Multiple Choice Questions/ True or False / Answer in One or Two Lines (Concept based Questions) (1 Marks each)	

B) Semester End Examination: 60% (60 Marks)
Duration: The examination shall be of 2 hours' duration.

Question No	Unit	Marks
प्रश्न-1 दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प सहित)	1-4	20
प्रश्न-2 दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प सहित)	1-4	20
प्रश्न-3 टिप्पणियाँ (4 में से 2)	1-4	20

Revised Syllabus of Courses of Master of Arts (M.A.) Hindi Programme at Semester II
With Effect from the Academic Year 2023-2024

Name of the Course	**काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन- II (Poetics and Literary Criticism- II)**
Course Code	PAHIN202
Class	M.A. Hindi
Semester	II
No of Credits	04
Nature	Theory, Practical & Project
Type	Major: Mandatory 2
Employability/ Entrepreneurship/ Skill Development	साहित्य के विविध रचनाओं का रसपान करने में सक्षम होगा। साहित्य लेखन परीक्षण निरीक्षण रसग्रहण में आसानी होगी। भारतीय एवं पाश्चात्य विचारों को के अध्ययन से समीक्षात्मक कुर्ती जागृत होकर समीक्षात्मक दृष्टिकोण विकसित होगा।

काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन- II (Poetics and Literary Criticism- II)

Modules at a Glance

Sr. No.	Modules	No. of Lectures
1	**भारतीय काव्यशास्त्र सिद्धांत**	15
2	**हिंदी आलोचना**	15
3	**पाश्चात्य काव्यशास्त्र सिद्धांत और वाद:**	15
4	**विचारक**	15
	Total	**60**

Course Outcomes:

1. छात्रों को भारतीय काव्यशास्त्र के अंतर्गत वक्रोक्ति, ध्वनि और औचित्य सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएं और प्रकारों का परिचय करवाना।
2. भारतीय साहित्यालोचना के प्रतिनिधि आचार्य की समीक्षा पद्धति पर प्रकाश डालना।
3. सिद्धांत और वाद के अंतर्गत प्रतिनिधि सिद्धांतों से अवगत कराना।
4. पाश्चात्य विद्वानों के प्रतिनिधि सिद्धांतों का परिचय करवाना।

Curriculum:

खंड - क (भारतीय काव्यशास्त्र एवं हिंदी आलोचना)

इकाई एक

भारतीय काव्यशास्त्र सिद्धांत

- वक्रोक्ति सिद्धांत :अवधारणा, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद
- ध्वनि सिद्धांत: स्वरूप, प्रमुख रचनाएँ, ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद, गुणीभूत व्यंग्य
- औचित्य सिद्धांत: प्रमुख स्थापनाएँ, औचित्य के भेद

इकाई दो

हिंदी आलोचना

- डॉ. रामविलास शर्मा, डॉ. नगेंद्र, डॉ. नामवर सिंह

खंड - क (पाश्चात्य काव्यशास्त्र सिद्धांत और विचारक)

इकाई तीन

पाश्चात्य काव्यशास्त्र सिद्धांत और वाद:

- अस्तित्ववाद, संरचनावाद, उत्तर आधुनिकतावाद

इकाई चार

विचारक

- मैथ्यू आर्नल्ड - आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य
- टी. एस. इलियट - परंपरा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, वस्तुनिष्ठ समीकरण
- आई.ए. रिचर्ड्स - व्यावहारिक आलोचना, रागात्मक अर्थ संवेगों का संतुलन, संप्रेषण

Sr. No.	Modules / Units
1	**भारतीय काव्यशास्त्र सिद्धांत** (15 Lectures)
	• वक्रोक्ति सिद्धांत :अवधारणा, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद • ध्वनि सिद्धांत: स्वरूप, प्रमुख रचनाएँ, ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद, गुणीभूत व्यंग्य • औचित्य सिद्धांत: प्रमुख स्थापनाएँ, औचित्य के भेद
2	**हिंदी आलोचना** (15 Lectures)
	• डॉ. रामविलास शर्मा, डॉ. नगेंद्र, डॉ. नामवर सिंह
3	**पाश्चात्य काव्यशास्त्र सिद्धांत और वाद** (15 Lectures)
	• अस्तित्ववाद, संरचनावाद, उत्तर आधुनिकतावाद
4	**विचारक** (15 Lectures)
	• मैथ्यू आर्नल्ड - आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य • टी. एस. इलियट - परंपरा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, वस्तुनिष्ठ समीकरण • आई.ए. रिचर्ड्स - व्यावहारिक आलोचना, रागात्मक अर्थ संवेगों का संतुलन, संप्रेषण

Learning Resources recommended: संदर्भ ग्रंथ-सूची

१. भारतीय साहित्य शास्त्र - डॉ. बलदेव उपाध्याय
२. भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा - डॉ. नगेंद्र
३. साहित्य का मूल्यांकन - डॉ. रामचंद्र तिवारी
४. रस सिद्धांत: स्वरूप और विश्लेषण - डॉ. आनंदप्रकाश दीक्षित
५. रस सिद्धांत - डॉ. नगेंद्र
६. काव्यतत्व विमर्श - डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
७. काव्यशास्त्र - डॉ. भगीरथ मिश्र
८. साहित्य शास्त्र - डॉ. कमलाप्रसाद पांडेय
९. भारतीय समीक्षा सिद्धांत डॉ. सूर्यनारायण द्विवेदी -
१०. ध्वनि सिद्धांत और हिंदी के प्रमुख आचार्य - डॉ. टी. एन. राय
११. आचार्य शुक्ल के समीक्षा सिद्धांत - डॉ. रामलाल सिंह
१२. रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना - डॉ. रामविलास शर्मा
१३. आलोचक का दायित्व - डॉ. रामचंद्र तिवारी
१४. हिंदी आलोचना का विकास - नंदकिशोर नवल
१५. नामवर के विमर्श - डॉ. सुधीश पचौरी
१६. पाश्चात्य काव्य सिद्धांत - डॉ. शांतिस्वरूप गुप्त
१७. पाश्चात्य काव्यशास्त्र - देवेंद्रनाथ शर्मा

१८. पाश्चात्य काव्यचिंतन - डॉ. निर्मला जैन
१९. उत्तर आधुनिकता : कुछ विचार - सं. देवीशंकर नवीन
२०. उत्तर आधुनिकता : साहित्यिक विमर्श - सं.डॉ. सुधीश पचौरी
२१. समीक्षा के विविध आधार - सं. डॉ. रामजी तिवारी
२२. पाश्चात्य काव्य चिंतन - डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय
२३. छंदोलंकार प्रदीपिका - विश्वबंधु शर्मा
२४. काव्य चिंतन की पश्चिमी परंपरा– डॉ. निर्मला जैन
२५. हिंदी आलोचना का सैद्धांतिक आधार - कृष्णदत्त पालीवाल
२६. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के प्रतिमान - डॉ. हरीश अरोड़ा
२७. आई.ए. रिचर्ड्स के समीक्षा सिद्धांत - डॉ. विष्णु सरवदे

Teaching plan:

Unit	Title	Expected date of completion	Teaching methods
1	**भारतीय काव्यशास्त्र सिद्धांत**	05/01/2024	व्याख्यान, विश्लेषण, ICT
2	**हिंदी आलोचना**	02/02/2024	व्याख्यान, विश्लेषण, ICT
3	**पाश्चात्य काव्यशास्त्र सिद्धांत और वाद:**	08/03/2024	व्याख्यान, विश्लेषण, ICT
4	**विचारक**	10/04/2024	व्याख्यान, विश्लेषण, ICT

Evaluation Pattern

A) Internal Assessment: 40 % (40 Marks)

Method	Marks
लेखन कार्य / परियोजना	20
प्रस्तुतीकरण / वस्तुनिष्ठ प्रश्न	10
कक्षा प्रदर्शन / स्वाध्याय	10
Question Paper Pattern for Periodical Class Test/ Online Examination Maximum Marks: 10 Duration: 30 Minutes Match the Column / Fill in the Blanks / Multiple Choice Questions/ True or False / Answer in One or Two Lines (Concept based Questions) (1 Marks each)	

B) Semester End Examination: 60% (60 Marks)
Duration: The examination shall be of 2 hours' duration.

Question No	Unit	Marks
प्रश्न-1 दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प सहित)	1-4	20
प्रश्न-2 दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प सहित)	1-4	20
प्रश्न-3 टिप्पणियाँ (4 में से 2)	1-4	20

Revised Syllabus of Courses of Master of Arts (M.A.) Hindi Programme at Semester II
With Effect from the Academic Year 2023-2024

Name of the Course	**भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा- II (Linguistics and Hindi Language- II)**
Course Code	PAHIN203
Class	M.A. Hindi
Semester	II
No of Credits	04
Nature	Theory, Practical & Project
Type	Major: Mandatory 3
Employability/ Entrepreneurship/ Skill Development	भाषा और शैली के प्रयोग में सुचिता निर्माण होगी। भाषा संप्रेषण में होने वाली व्याकरण एक गलतियों को समझने में आसानी होगी और भाषिक कौशल विकसित होगा। संपादन के क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे।

भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा- II (Linguistics and Hindi Language- II)

Modules at a Glance

Sr. No.	Modules	No. of Lectures
1	**रूप विज्ञान और वाक्य विज्ञान**	20
2	**अर्थ विज्ञान**	10
3	**हिंदी की रूप रचना**	20
4	**देवनागरी लिपि**	10
	Total	**60**

Course Outcomes:

1. छात्रों को रूप विज्ञान के अंतर्गत शब्द, रूप, अर्थ, संबंध तत्व के प्रकारों और परिवर्तनों का परिचय करवाना।
2. छात्रों को वाक्य विज्ञान का स्वरूप, वाक्य परिवर्तन की दिशाएं और कारणों से अवगत कराना।
3. हिंदी भाषा की रूप रचना में शब्द, धातु, उपसर्ग, प्रत्यय, समास, लिंग, कारक, वचन, संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण आदि का परिचय करवाना।
4. देवनागरी लिपि का नामकरण, उद्भव और विकासक्रम, उसकी विशेषताएं, मानक रूप एवं कमियों का परिचय करवाना।

Curriculum:

इकाई एक
रूप विज्ञान और वाक्य विज्ञान
रूप विज्ञान

- रूप विज्ञान का स्वरूप, शब्द और रूप, अर्थ तत्व और संबंध तत्व, संबंध तत्व के प्रकार, रूप परिवर्तन की दिशाएँ एवं कारण, रूपिम और संरूप, रूपिम के भेद

वाक्य विज्ञान

- परिभाषा, अभिहितान्वयवाद और अन्विताभिधानवाद, वाक्य परिवर्तन की दिशाएँ और कारण

इकाई दो
अर्थ विज्ञान

- अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ, अर्थ परिवर्तन के कारण

इकाई तीन
हिंदी की रूप रचना

- हिंदी की शब्द रचना, धातु, उपसर्ग, प्रत्यय, समास
- लिंग, वचन, कारक के संदर्भ में संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया का रूपांतरण

इकाई चार
देवनागरी लिपि

- नामकरण, उद्भव और विकास, विशेषताएँ, मानक रूप एवं त्रुटियाँ

Sr. No.	Modules / Units
1	**रूप विज्ञान और वाक्य विज्ञान** (20 Lectures)
	• **रूप विज्ञान :** रूप विज्ञान का स्वरूप, शब्द और रूप, अर्थ तत्व और संबंध तत्व, संबंध तत्व के प्रकार, रूप परिवर्तन की दिशाएँ एवं कारण, रूपिम और संरूप, रूपिम के भेद • **वाक्य विज्ञान :** परिभाषा, अभिहितान्वयवाद और अन्विताभिधानवाद, वाक्य परिवर्तन की दिशाएँ और कारण
2	**अर्थ विज्ञान** (10 Lectures)
	• अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ, अर्थ परिवर्तन के कारण
3	**हिंदी की रूप रचना** (20 Lectures)
	• हिंदी की शब्द रचना, धातु, उपसर्ग, प्रत्यय, समास • लिंग, वचन, कारक के संदर्भ में संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया का रूपांतरण
4	**देवनागरी लिपि** (10 Lectures)
	• नामकरण, उद्भव और विकास, विशेषताएँ, मानक रूप एवं त्रुटियाँ

Learning Resources recommended: संदर्भ ग्रंथ-सूची

१. भाषा विज्ञान डॉ. भोलानाथ तिवारी
२. भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र - डॉ. कपिलदेव द्विवेदी
३. हिंदी भाषा का उद्भव और विकास- डॉ. उदयनारायण तिवारी
४. हिंदी भाषा डॉ. भोलानाथ तिवारी -
५. भाषिकी, हिंदी भाषा तथा भाषा शिक्षण - डॉ. अंबादास देशमुख
६. भाषा विज्ञान के अधुनातन आयाम - डॉ. अंबादास देशमुख
७. सामान्य भाषा विज्ञान सैद्धांतिक विवेचन - डॉ. विद्यासागर दयाल
८. वर्ण विज्ञान श्री. प्रभात रज्जन सरकार
९. भाषाशास्त्र तथा हिंदी भाषा की रूपरेखा - डॉ. देवेंद्र कुमार शास्त्री
१०. हिंदी व्याकरण प्रकाश - डॉ. महेंद्र कुमार राना
११. भाषा विज्ञान की रूपरेखा द्वारका प्रसाद सक्सेना
१२. नागरी लिपि : रूप और सुधार मोहन ब्रज
१३. हिंदी उद्भव विकास और रूप - हरदेव बाहरी
१४. भाषा और भाषिका - डॉ. देवीशंकर द्विवेदी
१५. सामान्य भाषा विज्ञान - डॉ. बाबूराम सक्सेना
१६. हिंदी भाषा एवं भाषा विज्ञान - डॉ. महावीरसरन जैन
१७. आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धांत - डॉ. रामकिशोर शर्मा
१८. भाषा - सं. राजमल बोरा
१९. भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा स्वरूप का विकास - डॉ. देवेंद्र सिंह

२०. भाषा विज्ञान - रमेश रावत
२१. भाषा और सूचना प्रद्यौगिकी - डॉ. अमर सिंह वधान
२२. भाषा प्रौद्योगिकी एवं भाषा प्रबंधन - रामगोपाल शर्मा २३. हिंदी भाषा : कल और आज पूरनचंद टंडन
२४. हिंदी भाषा, व्याकरण और रचना - डॉ. अर्जुन तिवारी
२५. भारतीय भाषा विज्ञान- आचार्य किशोरदास वाजपेयी
२६. आधुनिक भाषा विज्ञान - राजमणि शर्मा
२७. हिंदी भाषा : इतिहास और स्वरूप राजमणि शर्मा
२८. भाषा और प्रौद्योगिकी - डॉ. विनोद प्रसाद
२९. भाषा शिक्षण - रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
३०. हिंदी भाषा का इतिहास- डॉ. भोलानाथ तिवारी
३१. हिंदी भाषा की संरचना - डॉ. भोलानाथ तिवारी
३२. राजभाषा हिंदी - कैलाशचंद्र भाटिया
३३. भाषा की उत्पत्ति, रचना और विकास विनोद दिवाकर -
३४. हिंदी व्याकरण- कामता प्रसाद गुरु
३५. हिंदी वर्तनी का विकास - अनिता गुप्ता
३६. हिंदी का विश्व संदर्भ - डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय
३७. हिन्दी भाषा एक अवाध प्रवाह डॉ. सुमन सिंह
३८.देवनागरी विमर्श-सं. शैलेंद्रकुमार शर्मा

Teaching plan:

Unit	Title	Expected date of completion	Teaching methods
1	**रूप विज्ञान और वाक्य विज्ञान**	05/01/2024	व्याख्यान, विश्लेषण, ICT
2	**अर्थ विज्ञान**	02/02/2024	व्याख्यान, विश्लेषण, ICT
3	**हिंदी की रूप रचना**	08/03/2024	व्याख्यान, विश्लेषण, ICT
4	**देवनागरी लिपि**	10/04/2024	व्याख्यान, विश्लेषण, ICT

Evaluation Pattern

A) Internal Assessment: 40 % (40 Marks)

Method	Marks
लेखन कार्य / परियोजना	20
प्रस्तुतीकरण / वस्तुनिष्ठ प्रश्न	10
कक्षा प्रदर्शन / स्वाध्याय	10
Question Paper Pattern for Periodical Class Test/ Online Examination Maximum Marks: 10 Duration: 30 Minutes Match the Column / Fill in the Blanks / Multiple Choice Questions/ True or False / Answer in One or Two Lines (Concept based Questions) (1 Marks each)	

B) Semester End Examination: 60% (60 Marks)
Duration: The examination shall be of 2 hours' duration.

Question No	Unit	Marks
प्रश्न-1 दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प सहित)	1-4	20
प्रश्न-2 दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प सहित)	1-4	20
प्रश्न-3 टिप्पणियाँ (4 में से 2)	1-4	20

Revised Syllabus of Courses of Master of Arts (M.A.) Hindi Programme at Semester II With Effect from the Academic Year 2023-2024

Name of the Course	**मीडिया लेखन- II (Media Writing- II)**
Course Code	PAHIN204
Class	M.A. Hindi
Semester	II
No of Credits	02
Nature	Theory, Practical & Project
Type	Major: Mandatory 4
Employability/ Entrepreneurship/ Skill Development	माध्यम उपयोगी लेखन के अध्ययन से संचार माध्यमों उपयोगी प्रकारों में लेखन कौशल्य का विकास होगा। जनसंचार माध्यमों में रोजगार प्राप्ति के लिए सहायक सिद्ध होगा।

मीडिया लेखन-II (Media Writing-II)

Modules at a Glance

Sr. No.	Modules	No. of Lectures
1	**पटकथा एवं संवाद लेखन**	15
2	**विज्ञापन लेखन**	15
	Total	**30**

Course Outcomes:

At the end of the Course, the Learner will be able to

1. पटकथा एवं विज्ञापन लेखन के महत्व को समझना।
2. पटकथा एवं संवाद लेखन के लिए सक्षम बनाना।
3. विज्ञापन लेखन के लिए सक्षम बनाना।

Curriculum:

इकाई एक

पटकथा एवं संवाद लेखन

- पटकथा क्या है?
- कहानी क्या है?
- पटकथा के लिए कहानी कैसी हो
- स्क्रीन प्ले लेखन
- संवाद क्या है?
- संवाद के प्रकार
- संवाद के काम
- संवाद और पात्र
- संवाद की भाषा
- संवाद, ध्वनि प्रभाव और अंगिक भाषा

इकाई दो

विज्ञापन लेखन

- विज्ञापन माध्यमों का चयन
- प्रेस विज्ञापन
- समाचार पत्र
- समाचार - पत्रीय विज्ञापन : गुण व लाभ तथा सीमाएँ
- पत्रिका विज्ञान : गुण व लाभ तथा सीमाएँ
- इलेक्ट्रॉनिक मीडिया
- गवेषण और विज्ञापन
- विज्ञापन एजेंसी
- विज्ञापन और कानून
- पॉपुलर कल्चर और विज्ञापन
- विज्ञापन और स्त्री
- विज्ञापन और बच्चे
- कॉपी लेखन

Sr. No.	Modules / Units
1	**पटकथा एवं संवाद लेखन** (15 Lectures)
	• पटकथा क्या है? • कहानी क्या है? • पटकथा के लिए कहानी कैसी हो • स्क्रीन प्ले लेखन • संवाद क्या है? • संवाद के प्रकार • संवाद के काम • संवाद और पात्र • संवाद की भाषा • संवाद, ध्वनि प्रभाव और अंगिक भाषा
2	**विज्ञापन लेखन** (15 Lectures)
	• विज्ञापन माध्यमों का चयन • प्रेस विज्ञापन • समाचार पत्र • समाचार - पत्रीय विज्ञापन : गुण व लाभ तथा सीमाएँ • पत्रिका विज्ञान : गुण व लाभ तथा सीमाएँ • इलेक्ट्रॉनिक मीडिया • गवेषण और विज्ञापन • विज्ञापन एजेंसी • विज्ञापन और कानून • पॉपुलर कल्चर और विज्ञापन • विज्ञापन और स्त्री • विज्ञापन और बच्चे • कॉपी लेखन

Learning Resources recommended: संदर्भ ग्रंथ-सूची

१. जनसंचार माध्यम- गौरीशंकर रैना

२. मीडिया लेखन - सुमित मोहन

३. नये जनसंचार माध्यम और हिन्दी सुधीर पचौरी, अंचला नागर, -
४. मीडिया और जनसंवाद वर्तिका नंदा -
५. जनसंचार सिद्धांत और अनुप्रयोग विष्णु राजगढ़ियाँ -
६. टेलीविजन की कहानी डॉ. श्याम कश्यप
७. मीडिया और बाजारवाद संपा. रामशरण जोशी
८. कसौटी पर मीडिया - मुकेश कुमार
९. जनसंचार और मीडिया लेखन- डॉ. दत्तात्रय मुरुमकर
१०. कथा पटकथा - मन्नु भण्डारी
११. पटकथा एक परिचय- मनोहर श्याम जोशी
१२. टेलीविजन लेखन - असगर वजाहत
१३. पटकथा लेखन निर्देशिका - असगर वजाहत
१४. टेलीविजन की भाषा - हरिश्चंद्र बर्नवाल
१५. टेलीविजन पटकथा लेखन- विनोद तिवारी

Teaching plan:

Unit	Title	Expected date of completion	Teaching methods
1	**पटकथा एवं संवाद लेखन**	08/01/2024	व्याख्यान, विश्लेषण, ICT
2	**विज्ञापन लेखन**	15/02/2024	व्याख्यान, विश्लेषण, ICT

Evaluation Pattern

A) Internal Assessment: 40 % (40 Marks)

Method	Marks
लेखन कार्य / परियोजना	20
प्रस्तुतीकरण / वस्तुनिष्ठ प्रश्न	10
कक्षा प्रदर्शन / स्वाध्याय	10
Question Paper Pattern for Periodical Class Test/ Online Examination Maximum Marks: 10 Duration: 30 Minutes Match the Column / Fill in the Blanks / Multiple Choice Questions/ True or False / Answer in One or Two Lines (Concept based Questions) (1 Marks each)	

B) Semester End Examination: 60% (60 Marks)
Duration: The examination shall be of 2 hours' duration.

Question No	Unit	Marks
प्रश्न-1 दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प सहित)	1-4	20
प्रश्न-2 दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प सहित)	1-4	20
प्रश्न-3 टिप्पणियाँ (4 में से 2)	1-4	20

Revised Syllabus of Courses of Master of Arts (M.A.) Hindi Programme at Semester II
With Effect from the Academic Year 2023-2024

Name of the Course	**प्राचीन और मध्यकालीन काव्य-II (Ancient and Medieval Poetry-II)**
Course Code	PAHIN205
Class	M.A. Hindi
Semester	II
No of Credits	04
Nature	Theory, Practical & Project
Type	Major: Elective 1
Employability/ Entrepreneurship/ Skill Development	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य के अध्ययन से युगीन समाज की प्रवृत्तियों का अध्ययन कर वर्तमान विसंगत स्थिति और समस्याओं की तौलनिक समझ आएगी और वैचारिक निर्णय में साक्षमता का विकास होगा।

प्राचीन और मध्यकालीन काव्य-I (Ancient and Medieval Poetry-II)

Modules at a Glance

Sr. No.	Modules	No. of Lectures
1	**भ्रमर गीत सार**	20
2	**श्रीरामचरितमानस - अयोध्याकाण्ड**	10
3	**श्रीरामचरितमानस - अयोध्याकाण्ड**	10
4	**मीराबाई**	20
	Total	**60**

Course Outcomes:

1. छात्रों को भ्रमरगीत सार के प्रातिनिधिक पदों को समझने में मदद करना।
2. छात्रों को रामचरितमानस के अयोध्या कांड को समझने में मदद करना।
3. छात्रों को मीराबाई के प्रातिनिधिक पदों को समझने में मदद करना।

Curriculum:

प्राचीन और मध्यकालीन काव्य : संपादन- हिंदी अध्ययन मंडल, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई राधाकृष्ण प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली- 11002

इकाई एक

भ्रमर गीत सार

- व्याख्या हेतु पद: 1, 4, 7, 9, 11, 16, 26, 38, 42, 51, 57, 64, 90, 95, 105, 115, 131, 138, 143, 157, 177, 196, 200, 279, 316 कुल = 25

इकाई दो

श्रीरामचरितमानस - अयोध्याकाण्ड

- व्याख्या हेतु दोहे : 216 से 2२८ कुल = 13

इकाई तीन

श्रीरामचरितमानस - अयोध्याकाण्ड

- व्याख्या हेतु दोहे : 229 से 240 कुल = 12

इकाई चार

मीराँबाई

- व्याख्या हेतु पद : 1, 3, 9, 18, 19, 20, 22, 23, 31, 33, 34, 36, 37, 38, 41, 46, 49, 53, 56, 69, 70, 76, 90, 156, 159 कुल = 25

Sr. No.	Modules / Units
1	**भ्रमर गीत सार** (20 Lectures)
	• व्याख्या हेतु पद: 1, 4, 7, 9, 11, 16, 26, 38, 42, 51, 57, 64, 90, 95, 105, 115, 131, 138, 143, 157, 177, 196, 200, 279, 316 कुल = 25
2	**श्रीरामचरितमानस - अयोध्याकाण्ड** (10 Lectures)
	• व्याख्या हेतु दोहे : 216 से 2२८ कुल = 13
3	**श्रीरामचरितमानस - अयोध्याकाण्ड** (10 Lectures)
	• व्याख्या हेतु दोहे : 229 से 240 कुल = 12
4	**मीराबाई** (20 Lectures)
	• व्याख्या हेतु पद : 1, 3, 9, 18, 19, 20, 22, 23, 31, 33, 34, 36, 37, 38, 41, 46, 49, 53, 56, 69, 70, 76, 90, 156, 159 कुल = 25

Learning Resources recommended: संदर्भ ग्रंथ-सूची

१. कबीर की विचारधारा - डॉ. गोविंद त्रिगुणायत
२. कबीर ग्रंथावली - डॉ. एल. बी. राम 'अनंत'
३. कबीर : व्यक्तित्व एवं सिद्धांत - डॉ. सरनाम सिंह
४. कबीर का रहस्यवाद - डॉ. रामकुमार वर्मा
५. कबीर साहित्य की परख आचार्य परशुराम चतुर्वेदी
६. जायसी एवं उनका काव्य - डॉ. शिवसहाय पाठक
७. जायसी का पद्मावत : काव्य और दर्शन - डॉ. गोविंद त्रिगुणायत
८. जायसी - डॉ. विजयदेव नारायण साही
९. तुलसीदास : आधुनिक वातायन से - डॉ. रमेश कुंतल 'मेघ'
१०. जायसी का काव्य शिल्प - डॉ. दर्शनलाल सेठी
११. तुलसीदास और उनका युग डॉ. राजपति दीक्षित -
१२. रामचरितमानस में अलंकार योजना - डॉ. वचनदेव कुमार
१३. मध्यकालीन कवि और कविता - डॉ. रतनकुमार पांडेय
१४. कालजयी संत तुलसीदास - डॉ. उमापति दीक्षित
१५. तुलसी काव्य में विविध आयाम- डॉ. उमापति दीक्षित
१६. मध्यकालीन काव्य : चिंतन और संवेदना - डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय
१७. विविधा - डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय
१८. साहित्य और संस्कृति के सरोकार - डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय
१९. रीतिकालीन काव्य परंपरा में पद्मावत डॉ. द्वारकानाथ राय
२०. मध्ययुगीन हिंदी साहित्य में नारी भावना - डॉ. उषा पांडेय
२१. रीति परंपरा के प्रमुख आचार्य- डॉ. सत्यदेव चौधरी
२२. हिंदी काव्य में शृंगार परंपरा और बिहारी - डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
२३. हिंदी रीतिकालीन काव्य पर संस्कृत काव्य का प्रभाव - डॉ. दयानंद शर्मा
२४. मीरा और मीरा - महादेवी वर्मा
२५. भक्तिमती मीराबाई जीवन और काव्य - लालबहादुर सिंह चौहान
२६. कबीर एवं तुकाराम का तुलनात्मक अध्ययन - डॉ. बालकवि सुरंजे
२७. वाल्मीकि एवं तुलसी के नारी पात्र डॉ. संतोष मोटवानी
२८. भक्ति साहित्य में विश्वबंधुत्व की भावना सं. डॉ. अनिल सिंह -
२९. रहीम काव्य में पुराख्यान - डॉ. मोहसीन खान

Teaching plan:

Unit	Title	Expected date of completion	Teaching methods
1	**भ्रमर गीत सार**	05/01/2024	व्याख्यान, विश्लेषण, ICT
2	**श्रीरामचरितमानस - अयोध्याकाण्ड**	02/02/2024	व्याख्यान, विश्लेषण, ICT
3	**श्रीरामचरितमानस - अयोध्याकाण्ड**	08/03/2024	व्याख्यान, विश्लेषण, ICT
4	**मीराबाई**	10/04/2024	व्याख्यान, विश्लेषण, ICT

Evaluation Pattern

A) Internal Assessment: 40 % (40 Marks)

Method	Marks
लेखन कार्य / परियोजना	20
प्रस्तुतीकरण / वस्तुनिष्ठ प्रश्न	10
कक्षा प्रदर्शन / स्वाध्याय	10
Question Paper Pattern for Periodical Class Test/ Online Examination Maximum Marks: 10 Duration: 30 Minutes Match the Column / Fill in the Blanks / Multiple Choice Questions/ True or False / Answer in One or Two Lines (Concept based Questions) (1 Marks each)	

B) Semester End Examination: 60% (60 Marks)
Duration: The examination shall be of 2 hours' duration.

Question No	Unit	Marks
प्रश्न-1 संदर्भ सहित व्याख्या (तीनों पुस्तकों में से) 02 प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित	1-4	20
प्रश्न-2 दीर्घोत्तरी प्रश्न (तीनों पुस्तकों में से) 02 प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित	1-4	30
प्रश्न-3 टिप्पणियाँ (तीनों पुस्तकों में से) 02 प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित	1-4	10

Revised Syllabus of Courses of Master of Arts (M.A.) Hindi Programme at Semester II With Effect from the Academic Year 2023-2024

Name of the Course	**लोक साहित्य- II (Folk Literature- II)**
Course Code	PAHIN206
Class	M.A. Hindi
Semester	II
No of Credits	04
Nature	Theory, Practical & Project
Type	Major: Elective 2
Employability/ Entrepreneurship/ Skill Development	परंपरागत लोक साहित्य में अभिव्यक्त समाज एवं संस्कृति के अध्ययन से दार्शनिक विचारों, परिकल्पना में सिद्धहस्त होगा। लोक कला को अर्जित अवस्था आएगी तथा लोक कला के माध्यम से नवीनतम रोजगार वृद्धि होगी।

लोक साहित्य- II (Folk Literature- II)

Modules at a Glance

Sr. No.	Modules	No. of Lectures
1	**लोकगाथा**	15
2	**लोकनाट्य**	15
3	**प्रवीण लोकसाहित्य**	15
4	**लोकसाहित्य में जीवन का चित्रण**	15
	Total	**60**

Course Outcomes:

1. लोकगाथा की स्वरूप विशेषताएं, सिद्धांत, वर्गीकरण को समझना।
2. लोकनाट्य की स्वरूप विशेषताएं, भारतीय लोकनाट्य परंपरा को समझना।
3. लोक साहित्य में जीवन के चित्रण को समझना।

Curriculum:

इकाई एक

लोकगाथा –

- परिभाषा, विशेषताएँ एवं स्वरूप
- उत्पत्तिविषयक सिद्धांत, वर्गीकरण
- लोकगाथा का सामान्य परिचय

इकाई दो

लोकनाट्य –

- परिभाषा, विशेषताएँ एवं स्वरूप
- लोकनाट्य और शास्त्रीय नाटक में अंतर
- भारतीय लोकनाट्य परंपरा का परिचय - रामलीला, रासलीला, यक्षगान, यात्रा, भवाई, खयाल, माच, नौटंकी, कुचिपुड़ी, तमाशा, ललित, गोंधळ

इकाई तीन

प्रवीण लोकसाहित्य-

- लोक सुभाषित, लोकोक्तियाँ, मुहावरे, कहावतें, पहेलियाँ, मुकरियाँ, सूक्तियाँ, ढकोसले, चुटकुले, मंत्र, टोना आदि का परिचय

इकाई चार

लोक साहित्य में जीवन का चित्रण-

- सामाजिक सांस्कृतिक एवं धार्मिक जीवन का चित्रण
- महाराष्ट्र के लोकसाहित्य में सामाजिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक झाँकियाँ

Sr. No.	Modules / Units
1	**लोकगाथा** (15 Lectures)
	• परिभाषा, विशेषताएँ एवं स्वरूप • उत्पत्तिविषयक सिद्धांत, वर्गीकरण • लोकगाथा का सामान्य परिचय
2	**लोकनाट्य** (15 Lectures)
	• परिभाषा, विशेषताएँ एवं स्वरूप • लोकनाट्य और शास्त्रीय नाटक में अंतर • भारतीय लोकनाट्य परंपरा का परिचय - रामलीला, रासलीला, यक्षगान, यात्रा, भवाई, खयाल, माच, नौटंकी, कुचिपुड़ी, तमाशा, ललित, गोंधळ
3	**प्रवीण लोकसाहित्य** (15 Lectures)
	• लोक सुभाषित, लोकोक्तियाँ, मुहावरे, कहावतें, पहेलियाँ, मुकरियाँ, सूक्तियाँ, ढकोसले, चुटकुले, मंत्र, टोना आदि का परिचय
4	**लोकसाहित्य में जीवन का चित्रण** (15 Lectures)
	• सामाजिक सांस्कृतिक एवं धार्मिक जीवन का चित्रण • महाराष्ट्र के लोकसाहित्य में सामाजिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक झाँकियाँ

Learning Resources recommended: संदर्भ ग्रंथ-सूची

१. लोकसाहित्य की भूमिका - डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय
२. लोकसाहित्य सिद्धांत और प्रयोग - डॉ. श्रीराम शर्मा
३. लोकवार्ता और लोकगीत- डॉ. सत्येंद्र
४. लोकसाहित्य का अध्ययन - डॉ. त्रिलोचन पांडेय
५. महाराष्ट्र का हिंदी लोकनाट्य - डॉ. कृष्ण दिवाकर
६. लोकगीतों का विकासात्मक अध्ययन - डॉ. कुलदीप
७. लोकगीतों की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि - डॉ. विद्या चौहान
८. हमारे संस्कार गीत- राजरानी वर्मा
९. लोकनाट्य परंपरा और पंक्तियाँ - डॉ. महेंद्र भावत
१०. भारत के लोकनाट्य - डॉ. शिवकुमार
११. लोकसाहित्य - इंद्रदेव सिंह
१२. लोकसाहित्य विमर्श - डॉ. श्याम परमार

Teaching plan:

Unit	Title	Expected date of completion	Teaching methods
1	**लोकगाथा**	05/01/2024	व्याख्यान, विश्लेषण, ICT
2	**लोकनाट्य**	02/02/2024	व्याख्यान, विश्लेषण, ICT
3	**प्रवीण लोकसाहित्य**	08/03/2024	व्याख्यान, विश्लेषण, ICT
4	**लोकसाहित्य में जीवन का चित्रण**	10/04/2024	व्याख्यान, विश्लेषण, ICT

Evaluation Pattern

A) Internal Assessment: 40 % (40 Marks)

Method	Marks
लेखन कार्य / परियोजना	20
प्रस्तुतीकरण / वस्तुनिष्ठ प्रश्न	10
कक्षा प्रदर्शन / स्वाध्याय	10
Question Paper Pattern for Periodical Class Test/ Online Examination Maximum Marks: 10 Duration: 30 Minutes Match the Column / Fill in the Blanks / Multiple Choice Questions/ True or False / Answer in One or Two Lines (Concept based Questions) (1 Marks each)	

B) Semester End Examination: 60% (60 Marks)
Duration: The examination shall be of 2 hours' duration.

Question No	Unit	Marks
प्रश्न-1 संदर्भ सहित व्याख्या (तीनों पुस्तकों में से) 02 प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित	1-4	20
प्रश्न-2 दीर्घोत्तरी प्रश्न (तीनों पुस्तकों में से) 02 प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित	1-4	30
प्रश्न-3 टिप्पणियाँ (तीनों पुस्तकों में से) 02 प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित	1-4	10

Revised Syllabus of Courses of Master of Arts (M.A.) Hindi Programme at Semester II With Effect from the Academic Year 2023-2024

Name of the Course	**भारतीय साहित्य- II (Indian Literature-II)**
Course Code	PAHIN207
Class	M.A. Hindi
Semester	II
No of Credits	04
Nature	Theory, Practical & Project
Type	Major: Elective 3
Employability/ Entrepreneurship/ Skill Development	ग्रामीण और शहरी भारतीय साहित्य के अध्ययन से सामाजिक परिदृश्य समझने में आसानी होगी और विविध घटना एवं पहलुओं के माध्यम से समाजिक और पारिवारिक समस्या सुलझाने का कौशल प्राप्त होगा। लेखन कौशल विकसित होगा।

भारतीय साहित्य- II (Indian Literature- II)

Modules at a Glance

Sr. No.	Modules	No. of Lectures
1	**त्यागपत्र - (उपन्यास)**	12
2	**त्यागपत्र - (उपन्यास)**	12
3	**पेंटिंग अकेली है (कहानी संग्रह)**	18
4	**हेलो कॉमरेड (नाटक)**	18
	Total	**60**

Course Outcomes:

1. 'त्यागपत्र' उपन्यास का समीक्षात्मक अध्ययन।
2. 'पेंटिंग अकेली है' कहानी संग्रह का समीक्षात्मक अध्ययन।
3. 'हेलो कॉमरेड' नाटक का समीक्षात्मक अध्ययन।
4. तत्कालीन समाज में प्रतिबिंबित सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, राजनैतिक, शैक्षणिक पहलुओं को तथा सामाजिक सरोकार को संदर्भित साहित्य के माध्यम से समजना।

Curriculum:

इकाई एक और दो

१. त्यागपत्र - (उपन्यास) - जैनेंद्र कुमार
भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली

इकाई तीन

२. पेंटिंग अकेली है (कहानी संग्रह) - चित्रा मुद्गल
सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली

इकाई चार

३. हेलो कॉमरेड (नाटक) - मोहनदास नैमिशराय
राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

Sr. No.	Modules / Units	
1	**त्यागपत्र - (उपन्यास)**	(12 Lectures)
	• पाठ वाचन एवं व्याख्या	
2	**त्यागपत्र - (उपन्यास)**	(12 Lectures)
	• पाठ वाचन एवं व्याख्या	
3	**पेंटिंग अकेली है (कहानी संग्रह)**	(18 Lectures)
	• पाठ वाचन एवं व्याख्या	
4	**हेलो कॉमरेड (नाटक)**	(18 Lectures)
	• पाठ वाचन एवं व्याख्या	

Learning Resources recommended: संदर्भ ग्रंथ-सूची

१. भारतीय साहित्य की भूमिका - डॉ. रामविलास शर्मा
२. परंपरा का मूल्यांकन - डॉ. रामविलास शर्मा
३. भारतीय साहित्य - सं. मूलचंद गौतम
४. भारतीय साहित्य : स्थापनाएँ और प्रस्तावनाएँ - के. सच्चिदानंद
५. निबन्धकार : जैनेन्द्र कुमार - डॉ. विष्णु सरवदे
६. हिन्दी उपन्यास : स्थिति और गति डॉ. चंद्रकांत बांदिवडेकर
७. जैनेन्द्र के उपन्यास मर्म के तलाश डॉ. चंद्रकांत बांदिवडेकर –
८. चित्रा मुद्गल : एक अध्ययन - डॉ. के. वजना
९. चित्रा मुद्गल के कथा साहित्य में संघर्ष और संचेतना - डॉ. अंजु दुआ जैमिनी
१०. हिंदी कथा साहित्य का पुनर्पाठ - डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय
११. भारतीय दलित आंदोलन का इतिहास - मोहनदास नैमिशराय
१२. दलित साहित्य का सौंदर्य शास्त्र- ओमप्रकाश वाल्मीकि
१३. दलित साहित्य : अनुभव, संघर्ष और यथार्थ - ओमप्रकाश वाल्मीकि

Teaching plan:

Unit	Title	Expected date of completion	Teaching methods
1	**त्यागपत्र - (उपन्यास)**	05/01/2024	व्याख्यान, विश्लेषण, ICT
2	**त्यागपत्र - (उपन्यास)**	02/02/2024	व्याख्यान, विश्लेषण, ICT
3	**पेंटिंग अकेली है (कहानी संग्रह)**	08/03/2024	व्याख्यान, विश्लेषण, ICT
4	**हेलो कॉमरेड (नाटक)**	10/04/2024	व्याख्यान, विश्लेषण, ICT

Evaluation Pattern

A) Internal Assessment: 40 % (40 Marks)

Method	Marks
लेखन कार्य / परियोजना	20
प्रस्तुतीकरण / वस्तुनिष्ठ प्रश्न	10
कक्षा प्रदर्शन / स्वाध्याय	10
Question Paper Pattern for Periodical Class Test/ Online Examination Maximum Marks: 10 Duration: 30 Minutes Match the Column / Fill in the Blanks / Multiple Choice Questions/ True or False / Answer in One or Two Lines (Concept based Questions) (1 Marks each)	

B) Semester End Examination: 60% (60 Marks)
Duration: The examination shall be of 2 hours' duration.

Question No	Unit	Marks
प्रश्न-1 संदर्भ सहित व्याख्या (तीनों पुस्तकों में से) 02 प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित	1-4	20
प्रश्न-2 दीर्घोत्तरी प्रश्न (तीनों पुस्तकों में से) 02 प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित	1-4	30
प्रश्न-3 टिप्पणियाँ (तीनों पुस्तकों में से) 02 प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित	1-4	10

Name of the Course	On Job Training/ Field Project
Course Code	PAHIN207
Class	M.A. Hindi
Semester	II
No of Credits	4
Nature	Practical
Type	On Job Training/ Field Project
Relevance with Employability/ Entrepreneurship/ Skill development	पाठ्यक्रमों का प्राथमिक लक्ष्य छात्रों को बजट बनाने और विभिन्न संगठनात्मक इकाइयों को संसाधन आवंटित करने के लिए आवश्यक वित्तीय ज्ञान और कौशल प्रदान करना है। यह उन सभी विषयों से भी भरा हुआ है जो आपको बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं, एनबीएफसी और कॉर्पोरेट सहित किसी भी व्यवसाय में विशेषज्ञता के लिए अपनी समझ बनाने में मदद करेंगे।

Guidelines and Evaluation pattern for On Job Training/ Field Project (100 Marks)

Introduction:

Inclusion of On Job Training/ Field Project in the course curriculum of the M.Com. programme is one of the ambitious aspect in the programme structure. The main objective of inclusion of On Job Training/ Field Project is to inculcate ability to interpret particular aspect of the study in his/ her own words.

Guidelines for On Job Training

On-the-Job Training/Field Project: Students will be required to undertake a designated project or tasks in an organization or industry relevant to their field of study. The course aims to provide students with practical exposure and hands-on experience in a professional work environment related to their field of study.

Course Objectives:

By the end of the course, students should be able to:

1. Gain exposure to real-world insights and apply theoretical knowledge to practical situations
2. Enhance his skills regarding problem-solving, decision-making, and communication skills.
3. Understand organizational dynamics and work culture.
4. Build industry connections and networking opportunities

Course Duration:

Minimum 20 days / 100 hours of On Job Training with an Organization/ NGO/ Charitable Organization/ Private firm.

- The theme of the internship should be based on any study area of the Major course
- Project Report should be of minimum 50 pages
- Experience Certificate is Mandatory

Report Structure:

The students will be required to submit a comprehensive report at the end of the On-the-Job Training/Field Project. A project report has to be brief in content and must include the following aspects:

a) **Title Page:**

Mentioning the title of the report, name of the student, program, institution, and the period of training/project.

b) Certificate of Completion:

A certificate issued by the organization or supervisor confirming the successful completion of the training/project.

c) Declaration:

A statement by the student declaring that the report is their original work and acknowledging any assistance or references used.

d) Acknowledgments:

Recognizing individuals or organizations that provided support, guidance, or resources during the training/project.

e) Table of Contents:

Providing a clear outline of the report's sections and page numbers.

f) **Executive Summary:**

A bird's eye view of your entire presentation has to be precisely offered under this Category.

g) **Introduction on the Company:**

A Concise representation of company/ organization defining its scope, products/ services and its SWOT analysis.

h) **Your Role in the Organization during the on Job Training:**

The key aspects handled, the department under which you were deployed and brief Summary report duly acknowledged by the reporting head.

i) **Challenges**:

The challenges confronted while churning out theoretical knowledge into practical world.

j) **Conclusion:**

A brief overview of your experience and suggestions to bridge the gap between theory and practice.

Course Outcomes:

1. Apply theoretical knowledge and concepts acquired during the academic program to real-world work scenarios.
2. Develop practical skills and competencies necessary for successful professional engagement.
3. Demonstrate effective problem-solving, decision-making, and critical thinking abilities in a work environment.
4. Adapt to and navigate organizational dynamics and work culture in the chosen industry.
5. Prepare a comprehensive report documenting the training/project experience, findings, and recommendations.

Guidelines for Field Project

The Field Project for Master of Arts (MA Economics) is designed to provide students with hands-on learning experiences in understanding different socio-economic contexts. The project aims to expose students to development-related issues in both rural and urban settings. It offers opportunities for students to observe and study actual field situations related to socio-economic development, policies, regulations, organizational structures, and programmes that guide the development process. Additionally, students will explore innovative practices to address complex socio-economic problems in the community.

Course Objectives:

By the end of the course, students should be able to:

1. Gain exposure to development-related issues in rural and urban contexts.
2. Analyze and observe actual field situations related to socio-economic development.
3. Understand policies, regulations, organizational structures, and programmes guiding the development process.
4. Identify complex socio-economic problems in the community and propose innovative solutions.

Course Duration: One Semester Minimum 20 days / 100 hours of field project work.

Course Outline:

- Introduction to Field Project (2 weeks)
- Field Visits and Observations (6 weeks)
- Research and Data Collection (4 weeks)
- Understanding Policies and Programmes (3 weeks)
- Identifying Innovative Solutions (4 weeks)

Rubrics for Field Project Report Evaluation:

1. Content (40 Points)

Criteria	Excellent (5)	Good (4)	Satisfactory (3)	Needs Improvement (2)	Unsatisfactory (1)
Introduction and Objectives	Clear and well-defined	Clearly stated	Adequately stated	Vaguely stated	Not stated or unclear
Literature Review	Comprehensive and relevant	Relevant and adequate	Limited relevance	Inadequate or missing	Not included

Criteria	Excellent (5)	Good (4)	Satisfactory (3)	Needs Improvement (2)	Unsatisfactory (1)
Field Visits and Observations	Thorough and detailed	Adequate information	Limited data collection	Incomplete or lacking detail	No field observations made
Data Analysis	In-depth analysis	Analyzed effectively	Some analysis performed	Superficial or incomplete	No data analysis conducted
Understanding of Policies and Programmes	Strong understanding	Adequate understanding	Limited understanding	Inadequate or inaccurate	No understanding displayed
Identified Socio-Economic Problems	Comprehensive and clear	Clearly identified	Some problems identified	Inadequate or vague	No problems identified
Conclusion	Concise and conclusive	Clear and summarized	Somewhat conclusive	Unclear or missing	No conclusion provided
Recommendations	Well-developed and feasible	Feasible and relevant	Partially feasible	Infeasible or lacking detail	No recommendations given

2. Presentation (20 points):

Criteria	Excellent (5)	Good (4)	Satisfactory (3)	Needs Improvement (2)	Unsatisfactory (1)
Structure and Organization	Well-structured and logical	Clear organization	Adequate organization	Lacks structure	Disorganized and unclear
Language and Clarity	Clear, concise, and fluent	Fluent language	Some clarity issues	Difficult to understand	Incoherent and unclear

Criteria	Excellent (5)	Good (4)	Satisfactory (3)	Needs Improvement (2)	Unsatisfactory (1)
Visual Presentation	Professional and engaging	Neat and presentable	Some visual aids used	Minimal use of visuals	No visuals used
Grammar and Spelling	No errors in grammar/spelling	Minor errors	Some errors	Frequent errors	Numerous errors

3. Research Methodology (10 points):

Criteria	Excellent (5)	Good (4)	Satisfactory (3)	Needs Improvement (2)	Unsatisfactory (1)
Appropriate Method Selection	Highly appropriate	Mostly appropriate	Adequate method choice	Inappropriate methods	No clear method used
Data Collection and Analysis	Thorough data collection	Adequate data analysis	Limited analysis	Incomplete or weak analysis	No data analysis done

4. Creativity and Innovation (10 points):

Criteria	Excellent (10)	Good (8)	Satisfactory (6)	Needs Improvement (4)	Unsatisfactory (2)
Innovation in Problem Solving	Highly innovative	Innovative solutions	Some creativity shown	Lacks creativity	No innovative solutions

5. Overall Impression (10 points):

Criteria	Excellent (5)	Good (4)	Satisfactory (3)	Needs Improvement (2)	Unsatisfactory (1)
Overall Quality	Exceptional quality	High quality	Acceptable quality	Below acceptable	Poor quality
Contribution and Learning	Outstanding contribution	Significant contribution	Some contribution	Limited or no learning	No contribution or learning

Conclusion:

The Field Project for Master of Arts (MA Economics) provides students with invaluable experiences in understanding socio-economic contexts and development-related issues. Through field visits, research, and innovative thinking, students gain practical insights into addressing complex challenges and contributing to the socio-economic development of communities. The rubrics for evaluation ensure a comprehensive assessment of students' learning and contributions during the project.

- Title Page:
- Certificate of Completion:
- Declaration:
- Acknowledgments:
- Table of Contents:
- Executive Summary:
- Introduction
- Literature Review:
- Methodology:
- .Field Visits and Observations**:**
- **Data Analysis:**
- Understanding Policies and Programmes:
- Identified Socio-Economic Problems:
- Innovative Solutions:
- Conclusion & Recommendations**:**
- References & Appendices:

The project report based on 'On Job Training/ Field Project' shall be prepared as per the broad guidelines given below:

- Font type: Times New Roman
- Font size: 12-For content, 14-for Title
- Line Space: 1.5-for content and 1-for in table work
- Paper Size: A4
- Margin: in Left-1.5, Up-Down-Right-1
- The Project Report shall be bounded.

Format of Research Project

1 st Page (Main Page)

Title of the problem of the Project

A Project Submitted

To

R. P. Gogate college of Arts & Science and

R.V. Jogalekar College of Commerce (**Autonomous**)

Ratnagiri

Under

University of Mumbai

For partial completion of the degree

Of

Master in Arts

In the subject of Hindi

Under the Faculty of Arts

By

Name of Student

Under the Guidance of

Name of the Guiding Teacher

R. P. Gogate College of Arts & Science and R.V. Jogalekar College of Commerce (Autonomous) Near District Court, Ratnagiri.

Academic Year -

On separate page

Declaration by learner

I the undersigned Miss/Mr. _____
[Name of the learner] here by, declare that work embodied in this project work titled _____ forms my own contribution to the research work carried out under the guidance of [Name of the guiding teacher] _____ is a result of my own research work and has not been previously submitted to any other University for any other Degree/ Diploma to this or any other University.
Wherever reference has been made to previous works of others, it has been clearly indicated as such and included in the bibliography.
I, here by further declare that all information of this document has been obtained and presented in accordance with academic rules and ethical conduct.

Name and Signature of the learner

Certified by
Name and signature of the Guiding Teacher

On separate page

Acknowledgment

(Model structure of the acknowledgement)

To list who all have helped me is difficult because they are so numerous and the depth is so enormous.

I would like to acknowledge the following as being idealistic channels and fresh dimensions in the completion of this project.

I take this opportunity to thank the University of Mumbai for giving me chance to do this project.

I would like to thank my Principal, _____for providing the necessary facilities required for completion of this project.

I take this opportunity to thank our Coordinator_____, for his moral support and guidance.

I would also like to express my sincere gratitude towards my project guide _____ whose guidance and care made the project successful.

I would like to thank my College Library, for having provided various reference books and magazines related to my project.

Lastly, I would like to thank each and every person who directly or indirectly helped me in the completion of the project especially my Parents and Peers who supported me throughout my project.